स्थापित 1968

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा का मुख पत्र

₹5

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका

सामाजिक चेतना एवं जागरुकता के लिये सजग मासिक पत्रिका

(पल्लीवाल, जैसवाल, सैलवाल सम्बन्धित जैन समाज)

अंक 8 ✦ प्रकाशन तिथि : 25 फरवरी 2022 ✦ वर्ष 10 ✦ कुल पृष्ठ 44 ✦ मूल्य ₹5

TAILOR MADE SOLUTIONS FOR DIVERSE INDUSTRY NEEDS

MEI POWER PRIVATE LIMITED

MARSON'S
AGRA, INDIA

25 KVA to 14 MVA
Type Tested as per
BIS Level 3 & 2 / IEC & IS

संस्थापक - स्व. श्री स्वरूप चन्द जी जैन (मारसन्स)

(19 अगस्त, 1927 - 31 अगस्त, 2016)

आपका स्नेह, सेवाभाव, समाज की प्रगति की भावना, उच्च विचार एवं
प्रेरणादायक जीवन सदैव हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा।

Transformers | EPC Contractor | Renewable Energy Solutions

MEI POWER PRIVATE LIMITED

Correspondence: 1/189 Delhi Gate, Civil Lines, **Agra - 282 002 (INDIA)**
Ph: +91 562 2520027, +91 562 2850812
Works: Mathura Road, Artoni, **Agra - 282 007 (INDIA)**
Ph: +91 90277 09944, +91 92580 78803
info@marsonselectricals.com **www.marsonselectricals.com**

9001 14001 MIDEL ENERGY IS LIFE BEE CONSERVE IT EU Directives

सामाजिक चेतना एवं जागरुकता के लिये सजग

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा का मुख पत्र

(पल्लीवाल, जैसवाल, सैलवाल सम्बन्धित जैन समाज)

Email : shripalliwaljain.patrika@gmail.com

मूल्य ₹ 5/-

अंक 8 ✦ 25 फरवरी 2022 ✦ वर्ष 10

कुल पृष्ठ : 44

पूर्व प्रकाशन मथुरा से, सम्प्रति जयपुर से प्रकाशित

महासभा पदाधिकारी

श्री आर.सी. जैन *(अध्यक्ष)*
(सेवानिवृत्त आई.ए.एस.)
एन-19, आदिनाथ नगर, जे.एल.एन. मार्ग,
जयपुर (राज.)-302018
मोबा. : 9414279070, 9829999335
E-mail : rcjainras@gmail.com

श्री राजीव रतन जैन *(महामंत्री)*
301-ए, सुख सागर अपार्टमेन्ट, 4, जानकी नगर मेन,
इन्दौर (म.प्र.)-452001, मोबा.: 9425110204
E-mail : jainrajeevratan@gmail.com

श्री अजीत जैन *(अर्थमंत्री)*
1द39, काला कुंआ हा.बोर्ड, अलवर (राज.)-301002
फोन : 0144-2360115, मोबा.: 9413272178
E-mail : akjain2021@yahoo.in

पत्रिका प्रबन्ध एवं सम्पादक मण्डल

डॉ. अनुपम जैन *(परामर्शदाता)*
'ज्ञानछाया', डी-14, सुदामानगर, इन्दौर-452009
फोन : 0731-2797790, मोबा.: 9425053822
E-mail : anupamjain3@rediffmail.com

श्री चन्द्रशेखर जैन *(संयोजक)*
86, मगन विला, श्री विहार कॉलोनी, होटल क्लार्क
आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-302018
फोन : 0141-2553272, मोबा.: 9829134926
E-mail : csjain30@yahoo.co.in

श्री प्रकाश चन्द जैन *(सम्पादक)*
78, बैंक कॉलोनी, महेश नगर विस्तार ''बी''
गोपालपुरा बाईपास, जयपुर-302015
मोबा.: 9828374013
E-mail : pcjain49@gmail.com

श्री पारस जैन गहनौली *(सह-सम्पादक)*
बी-204बी, 10-बी स्कीम, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर-302018, मोबा.: 9928715869

श्री महेश चन्द जैन *(अर्थ संयोजक)*
36-सी, कृष्णा विहार विस्तार, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर-302015, मोबा.: 9828288830
E-mail : 3466mahesh@gmail.com

संयोजक की कलम से....

जन सेवा : दशा व दिशा

जैन समाज का मूल- जनसेवा को अपनाकर कार्य करना है। समाज के लोगों ने अपने व्यापार, लगन एवं कर्म से समाज के एक सम्मानीय स्थान को प्राप्त कर लिया है। लेकिन एक ऐसा क्षेत्र जो आज भी जैन समाज को बहुत पीछे रखे हुआ है, वह क्षेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में अस्पतालों का निर्माण, शिक्षा के क्षेत्र में विद्यालयों का निर्माण, शहरों में आगमन पर आश्रय स्थलों का निर्माण एवं व्यवस्था का है।

जैन समाज हजारों-लाखों रुपये का व्यय धार्मिक अनुष्ठानों के आयोजन पर करता है। जिसमें समाज का प्रतिष्ठित वर्ग अपनी प्रतिष्ठा को बनाये रखने हेतु अपार धन का व्यय करता है। जिसका सीधे-सीधे लाभ इतर समाज को मिलता है जबकि आवश्यकता उक्त अपार धन राशि को जनसेवा के मूल कार्यों में व्यय करने की है। जिनमें अस्पतालों का निर्माण, शिक्षा स्थलों का निर्माण, आश्रय स्थलों का निर्माण एवं उन पर होने वाला भारी व्यय में योगदान देने की है। जिससे समाज का असक्षम वर्ग लाभान्वित हो सके। अक्सर हम बहुत बड़ी गलतफहमी में जीते हैं कि फलाँ व्यक्ति तो बहुत सम्पन्न है, सुखी है, सक्षम है लेकिन वास्तविकता कुछ और होती है तकलीफें हर इन्सान की जिन्दगी में आती है और इन तकलीफों में इन्सान को समाज का सम्बल मिल जाता है और वह व्यक्ति तकलीफों से बाहर निकलता है यही जनसेवा की सच्ची दिशा है आप भी इसका अनुसरण करें।

-चन्द्रशेखर जैन

पत्रिका में प्रकाशित लेख एवं विचारों से सम्पादक मण्डल का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
यह लेखकों के निजी विचार माने जाने चाहिये।

भावभीनी श्रृद्धांजलि

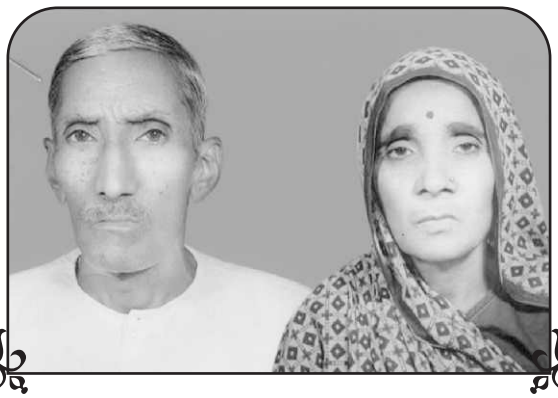

पूजनीय पिताजी स्व. श्री प्यारेलाल जी जैन चौधरी
श्रद्धेय माताजी स्व. श्रीमती असरफी देवी जी जैन
(मूल निवासी - मौजपुर, अलवर)

स्व. श्रीमती इन्दु जी जैन
(धर्मपत्नी श्री पदम चन्द जैन)
(स्वर्गवास : 30.12.2018)

हम सभी परिवार के सदस्य सादर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुये भगवान वीर से उनकी चिर आत्मीय शांति की प्रार्थना करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र :
पदम चन्द जैन
पौत्र-पौत्रवधु :
पारस जैन-रश्मि जैन,
पौत्री-दामाद :
डिम्पल-राजेश जैन
सिम्पल-नितिन जैन
प्रिती-उत्तम कोठारी
पड़पोत्री-पौत्र :
चेल्सी जैन-अक्षत जैन

पुत्र :
अनूप चन्द जैन
पौत्र-पौत्रवधु :
हेमन्त जैन-मधु जैन
पौत्री-दामाद :
सुनिता-सुनिल
अनिता-परवेश
विनिता-प्रताप
पड़पौत्र :
रोबीन-मानस

निवास :
बी-52, कीर्ति नगर, टोंक रोड, जयपुर
फोन : 0141-2706317, 9829066317, 9414055855

सिंह और हिरणी

भक्तामर स्त्रोत (5)

''धर्म का फल सार में नहीं, अभी इसी क्षण कार्य का क्षय''

-आचार्य श्री विद्यासागर श्री महाराज

धार्मिक कार्यों के करने से, भगवान की भक्ति करने से, जिन दर्शन से कर्मों का क्षय होता है, भले ही वह दृष्टिगोचर नहीं होता है। आध्यात्मिक क्षेत्र में बहुत सी चीजें प्रत्यक्ष न दिखकर परोक्ष रूप से दिखाई देती है। यह आस्था का प्रश्न है। आस्था में प्रश्न नहीं उठते है। भक्ति से ही मुक्ति प्राप्त होती है।

भक्ति के नौ (9) प्रकार बताए गए है। इसे नवधा भक्ति कहते हैं- श्रवण, कीर्तन, स्मरण, चरण सेवा, पूजन, वन्दना, ब्रह्म भय, आत्मसर्मण साम्य भाव। भक्त शिरोमणि सूरदास जी की भक्ति में वैसे तो सभी प्रकार के भाव है। परन्तु संख्य भाव भी है। वे भगवान कृष्ण के साथ मित्रता का बर्ताव करते हैं। तुलसीदास जी विनय पत्रिका में वस्य भाव से भक्ति की है।

जैन आचार्यों ने स्त्रोतों के माध्यम से प्रभु की आराधना की। भक्ति के प्रधान अंग के रूप में स्त्रोतों का अपना विशिष्ट स्थान होता है। अतः जैन स्तोत्र साहित्य का निर्माण किया है। इन स्त्रोतों की श्रृंखला में श्री मन्भान तुंगाचार्य द्वारा प्रणीत भक्तसर स्त्रोत का स्थान सर्वोपरि है। स्त्रोत का अर्थ है 'गुण संकीर्तन'। गुण संकीर्तन भक्त द्वारा भगवान की भक्ति का एक प्रबल माध्यम है।

''जाकी कृपा प्रभु गिरी लंघै, अंधे को सब कछु दरसाई
बहिरो सुने, मूक मुनि बोले, रंग चले सिर छत्र धराई।''

इसके भाव हैं कि प्रभु की कृपा हो तो लंगड़ा व्यक्ति भी पर्वत लांघ सकता है, अंधे को सब कुछ दिख सकता है, बहरा व्यक्ति सुन सकता है, गूंगा बोल सकता है, और रंक (निर्धन) व्यक्ति भी सम्पन्न हो सकता है। ऐसे प्रभु की मैं चरण वन्दना करता हूं। इसे गुरू संकीर्तन भी कहा जाता है।

हे भगवान - आप अनन्त गुणों के स्वामी हैं। आपका यथावत वर्णन तो असंभव है, तो हमारी रचना स्तुति या स्तोत्र कैसे हो सकती है। इसलिए अनन्त गुणों के धाम, अचिन्त्य, शक्तिधारक जिनेन्द्र के कतिपय गुणों की स्तुति का ही प्रयास क्यों न किया जाए।

कबीरदास ऐसा ही लिखते हैं-

''सात समंद की मसि करौ, लेखनि सब बनराव
सब धरती कागद करौ, हरि गुन लिखा ना जाए।।''

कबीरदास जी परमपिता परमात्मा के गुणों का वर्णन करना चाहते हैं। परन्तु कहते हैं कि उनके गुण इतने अनन्त हैं कि यदि सातों समुद्रों की स्याही बनाकर सारे जंगलों के पेड़ों की लेखनी बना कर और सारी धरती के कागज बनाया जाए तो भी उनके गुणों को लिखना संभव नहीं है।

तुलसीदास कहते हैं-

''हरि अनन्त हरि कथा अनन्ता।''

ऐसी स्थिति में भक्तिपूर्वक किया गया नामोच्चारण भी संसार के जीवों के पापों को नष्ट कर देता है। भगवान के नाम ही बहुत शक्ति है।

गुरू नानक ने भगवान के नाम की महिमा बताई है गौडीय संप्रदाय प्रभुपाद स्वामी ने महामंत्र दिया है-

हरे राम हरे राम, राम राम हरे हरे।
हरे कृष्णा हरे कृष्णा, कृष्णा कृष्णा हरे हरे।। (16 शब्द)

श्री भक्तामर जी स्तोत्र एक कल्पवृक्ष, कामधेनु और चिन्तामणि रत्न के समान है। पूज्य श्रेष्ठ आचार्य प्रवर मानतुंग स्वामी जी द्वारा रचा गया यह महान स्तोत्र अद्वितीय है। यह उस समय लिखा गया था जिस समय जैन धर्म पर संकट आया। द्वेष के भावों से आपूरित राजा ने मुनिवर को जेल में डाल दिया था, तब उन्होनें इस महान स्त्रोत की रचना की। कहते हैं कि कारावास की 48 ताले स्वयं की खुल गए और मुनिवार की हथकड़ियां-बेड़ियां भी खुल गई। भगवान की कृपा से क्या नहीं हो सकता है? जब भगवान कृष्ण का जन्म होता है तब भी कारावास के ताले खुल जाते हैं और श्री श्री वासुदेव कृष्ण को लेकर बाढ़ से उफनती हुई यमुना नदी पार कर मथुरा से गोकुल पहुंच जाते हैं। भगवान कृपा से सब कुछ संभव है। एक और महामंत्र है- *''ओम नमो भगवते वासुदेवानय नमः''* वासुदेव का नाम अमर हो गया। इस तरह का उल्लेख मिलता है।

जब क्रोधांध राजा से यह सब देखा तो वह नतमस्तक हो

गया, क्षमा मांगी और मुनिवर के चरणों में अनुपम भक्ति दिखाई। यह घटना 7वीं शताब्दी सी.ई की है। इससे जैन धर्म का प्रभाव जन-मानस पर बढ़ने लगा। कुछ भी कहा जाए- चमत्कार को तो नमस्कार करना ही पड़ता है। ऐसे ही कुछ मुनिवार भानतुंग के साथ हुआ। इस स्त्रोत की भाषा संस्कृत है।

इनके अनुष्ठान से कर्मों का क्षय होता है एवं विवेक व ज्ञान का उदय होता है। श्रावकों ने इसके चमत्कार आज भी देखे है। कुन्द कुन्द परम्परा की उन्नायक्ष संत शिरोमणि परम पूज्य आचार्य श्री 108 दयासागर जी महाराज के शिष्य मुनि पुंगल श्री 108 सुधासागर जी महाराज का कहना है कि भक्तामर का 5वां स्तोत्र अत्यंत भावपूर्ण है। इसमें कहा गया है- मुनिवर मानतुंगजी कहते हैं कि मैं शक्तिहीन हूं, लाचार हूं, फिर भी मैं भक्ति से परिपूर्ण हूं। जैसे सिंह के सामने हिरणी बलहीन होती है, फिर भी अपने शिशु के मोह के वश में आकर उसका सामना करने के लिए कटिबद्ध रहती है। वह सिंह से भयभीत होकर भागती नहीं। इसी प्रकार मैं भी कर्म रूपी सिंह का सामना करने के लिए प्रयासरत हूं। मेरी भक्ति में ही मेरी मुक्ति होगी- ऐसा मेरा विश्वास है।

इस स्त्रोत्र का स्मृति मंत्र है-

''सुने या पढ़े गए ज्ञान को संख्यात वर्षों तक याद रखने की सामर्थ्य होना''

इस प्रकार इस स्त्रोत में एक ओर दैन्य, करूणा एवं विवशता है तो दूसरी ओर स्मरण शक्ति को सुदृढ़ करने का आह्वान है। भक्ति से ही यह संभव है।

ऐंसे ही भाव बाकी के 47 श्लोकों में भी किसी न किसी प्रकार पुष्पों की सुगंध की भांति व्याप्त है। इसीलिए इस स्त्रोत को सर्वरोग निवारक सर्वार्थ सिद्धि दायक स्त्रोत कहा जाता है। इन भावों को आत्मसात कर भक्तिपूर्वक श्री ऋषभदेव का नाम लिया जाए तो जीव के समस्त कष्ट दूर होते हैं एवं सिद्धि प्राप्त होती है।

श्री भक्तामर जी में भगवान ऋषभदेव की स्तुति है। ये आदिनाथ कहलाते हैं और बड़े बाबा भी कहलाते हैं। इनके भव्य मंदिर भारत में अनेक स्थानों पर है जैसे हस्तिनापुर, बावनगजा (बढबानी जिला, मध्य प्रदेश, सांगानेर जयपुर, भुसावर, चांदरवेड़ी, मांगीतुंगी, कुन्डलपुर आदि।

मोक्ष कल्याणक

भगवान आदिनाथी जा मोक्ष कल्याणक माघ कृष्ण चतुर्दशी दिनांक 31 जनवरी, 2022 को सभी स्थानों पर मनाया गया। कोलकाता के मंदिरों एवं जैन श्रावकों ने भी इस अवसर पर आराधना की। बालकों को एवं नई पीढ़ी को याद दिलाया गया कि उनका जन्म चैत्र कृष्ण नौंवी के दिन सूर्योदय के समय अयोध्या में हुआ था। इनकी पूज्य माता जी का नाम गरू देवी था और पिता नाभिराज थे। उन्होंने कठोर तपस्या की और जिनेन्द्र बन गए। वे कैलाश शिखर पर समाधिलीन हुए। उनका चिन्ह वृषभ है। इनका चरित्र मनुष्य के सभी पापों को हटाने वाला है।

श्री भक्तामर जी का एक-एक श्लोक अपने आप में मंत्र है। ऋषि मंत्रों के कारण ये बहुत ही सकारात्मक ऊर्जा विकीर्ण करते हैं।

ऊँ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं बड़े बाबा अर्हं नमः।

-सुभाष चन्द पालीवाल
फ्लैट नं. 1, एम.डी. वैष्णवीधाम, ब्लाक-सी
जोका पोस्ट आफिस-704104, कोलकाता

आगामी मीटिंग सूचना

सम्माननीय सदस्य

सादर जय जिनेन्द्र

अ.भा.प. जैन महासभा की कार्यकारिणी की आगामी बैठक दिनांक 10.04.2022 दिन रविवार को मुंबई (महाराष्ट्र) में करने का निर्णय लिया है। आप सभी कार्यकारिणी सदस्य, शाखा अध्यक्ष/मंत्री एवं विशिष्ट अथितियों से विनम्र आग्रह है कि मीटिंग में पधार कर अपने विचारों से महासभा को अवगत करायें।

मीटिंग स्थल : पोदनपुर (तीन मूर्ति) रखा गया है। यहाँ पहुंचने के लिए बोरीबली स्टेश (मुंबई) नजदीक रहेगा। आपसे विनम्र अनुरोध है आप अपना रिजर्वेशन करा कर मुझे शीघ्र सूचित करें जिस से आप के ठहरने की उत्तम व्यवस्था की जा सके। आप अपना बहुमूल्य समय मुम्बई मीटिंग में पधारने के लिए सुरक्षित करें।

-राजीव रतन जैन, *महामंत्री महासभा*

आज में जिएं

काल का पहिया निरन्तर घूम रहा है, अपनी गति के साथ घूम रहा है। जो घूम गया वह अतीत हो गया, वह भूत हो गया। भूत भूत है। भूत के पीछे मत पड़ना वरना वह तुम्हारे पीछे पड़ जायेगा। तो जो घूम गया यह भूत है और जो घूमने वाला है वह अनागत है, भविष्य है। भविष्य एक सपना है, एक कल्पना है। कल्पना के पीछे मत भागना क्योंकि कल्पना में कभी सच्चाई नहीं होती। सपना कभी सत्य नहीं होता। तो जो घूमने वाला है वह अनागत है तथा वर्तमान उन दोनों के जोड़ का मिलन-बिन्दु है। वह दोनों से बंधा है। अतीत से भी बंधा है और अनागत से भी बंधा है।

आज अपनी बात एक कथानक से प्रारम्भ करता हूँ। एक बार युधिष्ठिर के पास आ एक भिखारी ने भिक्षा की याचना की। युधिष्ठिर के पास समय का अभाव था, उन्होंने भिखारी से कहा- आप कल आइये, मैं आपको कल दान दूंगा।

पास में भीम बैठा था, युधिष्ठिर की विजयपूर्ण बात सुनकर वह जोर से हंसा और दौड़कर उस घंटे को बजा दिया जो किसी बड़ी विजय अथवा बड़े उत्सव के समय बजाया जाता था। घंटानाद सुनकर युधिष्ठिर बड़े ही आश्चर्यचकित हुए। भीम से घंटा बजाने का कारण पूछा।

भीम बोले- आपको आज बहुत बड़ी विजय प्राप्त हुई है। आपने मृत्यु पर चौबीस घंटे की विजय पा ली है। युधिष्ठिर बोले- कैसे? भीम ने कहा- आपने उस भिखारी व्यक्ति को इच्छित वस्तु (दान) देने को कल बुलाया है। इसका सीधा-सा अर्थ है कि आप कल तक अवश्य जीवित रहेंगे। मृत्यु पर एक अहोरात्र की विजय से बढ़कर दूसरी विजय क्या हो सकती है।

युधिष्ठिर भीम के संकेत को समझकर बहुत शर्मिन्दा हुए। याचक को तत्काल बुलाकर उन्होंने इच्छित वस्तु प्रदान की। समय, समय होता है, वह किसी के बाप का नौकर नहीं होता, वह किसी का इन्तजार नहीं करता। हमारा भी इन्तजार नहीं करेगा। हमें ही समय का इन्तजार करना होगा। समय बहुमूल्य है, लेकिन बिरले ही पुरुष समय की कीमत आंक पाते हैं। जीवन का एक-एक पल अमूल्य है, किन्तु जैसे हीरा मूल्यवान होने पर भी उसकी कीमत हर कोई नहीं जानता, कोई जौहरी ही जानता है, उसी प्रकार समय की कीमत कोई पारखी ही कर पाता है। शेष लोग तो समय काटते हैं।

मैं इन्दौर से विहार करते हुए देवास जा रहा था। मार्ग में सड़क के किनारे एक पुलिया पर कुछ युवक बैठे थे। मैंने उनसे पूछा- मित्र! क्या कर रहे हो? उन्होंने कहा- कुछ नहीं, बस समय काट रहे हैं। मैंने कहा- तुम क्या समय को काटोगे, समय ही तुम्हें काट रहा है और ऐसा काट रहा है कि कुछ दिनों बाद तुम्हीं देखोगे कि तुम कुछ काम के नहीं रहे। समय की मार बड़ी गहरी होती है।

काल का पहिया निरन्तर घूम रहा है, अपनी गति के साथ घूम रहा है। जो घूम गया वह अतीत हो गया, वह भूत हो गया। भूत भूत है। भूत के पीछे मत पड़ना वरना वह तुम्हारे पीछे पड़ जाएगा। तो जो घूम गया वह भूत है और जो घूमने वाला है वह अनागत है, भविष्य है। भविष्य एक सपना है, एक कल्पना है। कल्पना के पीछे मत भागना क्योंकि कल्पना में कभी सच्चाई नहीं होती। सपना कभी सत्य नहीं होता। तो जो घूमने वाला है वह अनागत है तथा वर्तमान उन दोनों के जोड़ का मिलन बिन्दु है। वह दोनों से बंधा है। अतीत से भी बंधा है और अनागत से भी बंधा है।

'था' 'है' 'गा' अर्थात्, अतीत, वर्तमान और अनागत के वाचक शब्द हैं। अतीत काल के भण्डार में अनंत समय है। भविष्य के भण्डार में भी अनंत समय है किन्तु वर्तमान मात्र एक समय वाला है। जितना भी भविष्य है वह वर्तमान के द्वार में से ही गुजरकर अतीत के भंडार में जमा होता है। जो कल गुजर चुका वह फिर कभी लौटकर आएगा ही नहीं और आने वाला कल कभी भी आता नहीं है क्योंकि वह जब भी आएगा तो आज बनकर ही आएगा। इसलिए वर्तमान में जीना है, वर्तमान में चलना है, वर्तमान में होना है। जो वर्तमान में विचरण करता है, वर्तमान में चलता है, वर्तमान में होता है, जो वर्तमान में जीता है, वर्तमान में सोचता है, वर्तमान का उपयोग वर्तमान के लिए करता है, वही विचक्षण है, वह विलक्षण है।

यदि हमें वर्धमान बनना है तो वर्तमान में जीना होगा। यदि वर्धमान को पाना है तो अपने वर्तमान को सुधारना होगा। वर्तमान में जीने वाला ही वर्धमान (भगवान महावीर) से साक्षात्कार कर सकता है।

कुछ व्यक्तियों की आदत ही पड़ जाती है कि वे हमेशा भविष्य की चिन्ता में ही डूबे रहते हैं। भविष्य की योजनाएं ही संजोते रहते हैं। भविष्य की मृग मरीचिका उन्हें वर्तमान के आनंद

से वंचित रखती हैं। भविष्य की समस्याओं का समाधान वर्तमान में नहीं खोजना चाहिए और अभी हम यही भूल कर रहे हैं।

एक पति-पत्नी थे। किसी शहर में किराये के मकान में रहते थे। दोनों ही शान्त स्वभाव के थे। ज़िन्दगी रफ्ता-रफ्ता मजे से चल रही थी। उनमें लड़ना-झगड़ना तो दूर रहा, कभी तू-तू मैं-मैं भी नहीं होती थी। उसका कारण था कि उनका नया-नया विवाह था। विवाह की परिभाषा मैं कुछ इस तरह बांधता हूँ-

विवाह है क्या? एक चुइंगम। प्रारम्भ में मीठा-मीठा स्वाद, हर मन को भा जाए। बाद में चबाते जाइये चबाते जाइये, स्वाद ही न आए। वाकई वही है विवाह - वही है विवाह। विवाह! शुरू में वाह-वाह बीच में आह अन्त में तबाह, वाकई में वही है विवाह।

तो नया-नया विवाह था। नया-नया आनंद था। एक-दूसरे के प्रति समर्पण की भावना थी। कभी पत्नी कहे तो पति सुन लिया करता और पति कहे तो पत्नी सुन लेती। दोनों में सामंजस्य था। जहां सामंजस्य होता है वहां संघर्ष नहीं होता, सौहार्द होता है, वहां मधुरमिलन होता है। समर्पण समग्रता को लाता है, सुख-सम्पदा को लाता है और अहंकार विग्रह को लाता है, विद्वेष को जन्म देता है। तो पति कभी क्रोधावेश में कुछ कह भी दे तो पत्नी बड़ी सहजता से सुन लेती, क्योंकि उसके सुनने के दिन थे।

एक विचारक ने लिखा है- शादी के बाद एक वर्ष तक पति बोलता है और पत्नी सुनती है। दूसरे वर्ष में पत्नी बोलती है तो पति सुनता है और तीसरे वर्ष पति-पत्नी दोनों बोलते हैं और पड़ोसी सुनते हैं। उस मकान में रहते-रहते कई वर्ष हो गए लेकिन मकान-मालिक ने कभी उनके लड़ने-झगड़ने की आवाज नहीं सुनी थी। लेकिन एक दिन मामला गड़बड़ हो गया। मकान-मालिक क्या सुनता है कि ऊपर से जोरों की आवाज आ रही है। शायद वह उनकी शादी का तीसरा वर्ष था। दोनों के बोलने का और पड़ोसी के सुनने का वर्ष था। तो झगड़ा हो गया, जरा जमकर हो गया। दूसरी मंजिल पर रहते थे, वहां से कप-प्लेट की वर्षा होने लगी। मकान मालिक ऊपर गया और बोला- ये बिना मौसम की बरसात कैसे ? यह विवाद आखिर क्यों?

पति बोला- मैं अपने लड़के को इंजीनियर बनाना चाहता हूँ, मगर यह मानने को तैयार ही नहीं है। इसका कहना है कि मैं उसे डाक्टर बनाऊंगी।

पत्नी बोली- हां दादाजी, मैं हमेशा बीमार रहती हूँ इसलिए मैं अपने लड़के को डॉक्टर बनाना चाहती हूँ और डॉक्टर ही बनाऊंगी। दुनिया इधर की उधर हो जाये तो भी उसे इंजीनियर नहीं बनने दूंगी।

मकान मालिक ने कहा- ठीक है, तुम इंजीनियर बनाना चाहते हो और तुम डॉक्टर। लेकिन जरा बेटे से भी तो पूछो कि वह क्या बनना चाहता है। बुलाओ उसे, मेरे सामने लाओ। यह बात सुनकर पति ने पत्नी की तरफ देखा, पत्नी ने पति को निहारा। दोनों ने एक-दूसरे को देखा और मुस्कुराए तथा बोले- दादाजी ! बेटे का तो अभी जन्म ही नहीं हुआ है।

बेटा जन्मा नहीं और बेटे को लेकर झगड़ा हो रहा है। भविष्य की समस्याओं का वर्तमान में हल खोजने पर यही हादसा होता है। हम भी भविष्य में जी रहे हैं। याद रखना, वर्तमान की उपेक्षा करके भविष्य में जिया ही नहीं जा सकता क्योंकि जीना केवल वर्तमान में होता है। जीवन सिर्फ वर्तमान में है।

आप कहते हैं समय के तीन हिस्से हैं- भविष्य, वर्तमान और अतीत । यह गलत है, मैं इसे नहीं मानता। समय तो सिर्फ एक रूप है और वह है वर्तमान। समय तो हमेशा है, अभी है, यही है। फिर यह भविष्य और अतीत कहां से आ गया? अतीत हमारी स्मृतियों से आता है और भविष्य हमारी कामनाओं से जन्म लेता है। दोनों झूठे हैं, सत्य केवल आज में है। एक विचारक की पंक्तियां हैं-

सुखी मानव तो वही है,
जो आजको अपना बना ले,
और हो आश्वस्त कह दे कि
जी लिया बस 'आज' मैं तो
'कल' जो करना है तू कर ले।

कुछ पंक्तियां और याद आ रही हैं-

आज का स्वागत करो
यही जीवन है, जीवन का सार है
मानव अस्तित्व की सभी विविधताएं,
वास्तविकताएं इसी में निहित हैं।
इसमें विकास का वरदान है,
कर्म का महात्म्य है,
सिद्धि का वैभव है,
भूत सपना और भविष्य कल्पना है,
सुखद वर्तमान से ही भूत के सुखद,
स्वप्न की सृष्टि होती है।
और आने वाला कल आशामय बन जाता है।

कुछ पंक्तियां और हैं-

भूत हो गया भूत, भूत को पीछे ही रहने दो।
आगे एक भविष्य भाव की धारा को बहने दो।
लो अतीत से भव्य प्रेरणा, देखो मत भविष्य के सपने
वर्तमान में रहो कर्मरत, पूर्ण करो सब सपने अपने।

कल की चिन्ता छोड़ दो। कल अपनी सुध आप ले लेगा।

आज की परिधि में रहिये। आज को हाथ से न जाने दो क्योंकि दस हजार कल भी एक आज की बराबरी नहीं कर सकते। आज का पूर्ण उपयोग करो। सब कुछ बदलता है, केवल परिवर्तन का नियम नहीं बदलता है। आज केवल आज रहेगा, कल नहीं।

आज सिर्फ अभी है। अगले क्षण नहीं रहेगा। बहती सरिता के पल-पल परिवर्तित जल में एक बार पैर रखकर उसी जगह दूसरी बार फिर उसी जल में पैर नहीं रखा जा सकता क्योंकि तब तक तो वह बहने वाला जल बह चुका होता है। जाने वाली श्वास जा चुकी होती है। समय अत्यन्त बलवान है। जो उसकी अवज्ञा करता है, समय उसे कभी माफ नहीं करता।

तीन मित्र थे। यात्रा पर थे। चलते-चलते शाम हो चली। भोजन करने बैठे, एक समस्या खड़ी हो गई। उनके पास खाने के लिए सिर्फ एक रोटी थी जबकि खाने वाले तीन। रोटी एक, कौन खाए? विवाद शुरू हो गया। उनमें एक जो समझदार था, वह बोला- विवाद व्यर्थ है। हम ऐसा करें, पहले थोड़ा आराम कर लें, थके हारे हैं, विश्राम जरूरी है, सो लें और नींद में जो सबसे अच्छा स्वप्न देखे, वही रोटी खाए। वे दोनों भी इस प्रस्ताव पर सहमत हो गये।

तीनों ने आराम किया, सुख की नींद सोये। जागने पर एक ने दूसरे से पूछा- तुमने क्या स्वप्न देखा ? दूसरा बोला- स्वप्न, बड़ा अद्भुत स्वप्न देखा। जैसे ही मैं सोया, एक प्यारा स्वप्न शुरू हुआ। मैंने देखा कि मैं पिछले जीवन में एक बहुत बड़ा चक्रवर्ती था। पूरे आर्यावर्त में मेरा एक-छत्र राज्य था। सारे राजा मेरे चरणों में नतशीश रहते थे।

फिर उसने दूसरे से पूछा- और तुमने क्या देखा?

वह बोला- साहब क्या कहूं, बड़ा सुखद स्वप्न देखा। मैंने देखा कि मैं मृत्यु के पश्चात् स्वर्ग में इन्द्र बनूंगा। जहां ढेर सारी रूपसी अप्सराएं मेरी सेवा हेतु नियुक्त होंगी, देवदासियां मेरे इशारे पर नाचेंगी। मेरा स्वप्न सबसे अच्छा है, रोटी पर मेरा अधिकार बनता है।

दूसरा बोला- रुको, जल्दी न करो, अभी तीसरा स्वप्नदृष्टा शेष है। उसका स्वप्न भी सुनना जरूरी है। तीसरे से उन दोनों ने स्वप्न बताने को कहा।

तीसरा व्यक्ति बोला- मेरे स्वप्न के बारे में कुछ मत पूछो, बस देख लिया जैसा भी था, अच्छा था, मजा आ गया, तृप्त हो गया। उन दोनों ने कहा- नहीं, ऐसे नहीं चलेगा, बताना पड़ेगा। बिना बताये निर्णय कैसे होगा? जल्दी कहो क्या स्वप्न देखा?

वह बोला- स्वप्न? मैंने स्वप्न नहीं सत्य देखा है। हुआ यों कि ज्यों ही मैं लेटा, हनुमानजी आ गए, बड़े गुस्से में थे। उन्होंने आगे बढ़कर मेरी कमर में एक लात मारी और आँखें लाल-पीली करते हुए कहा- मूर्ख ! रोटी रखी है और तू भूखा सो रहा है। चल उठ, रोटी खा, वरना दो-चार सोटे मारूंगा तो अक्ल ठिकाने लग जाएगी। हनुमानजी के इस विकराल रूप को देखकर मैं तो डर गया, धीरे से उठा और चुपचाप रोटी खा गया।

एक अतीत का स्वप्न देख रहा है, दूसरा भविष्य का और तीसरा वर्तमान का सत्य भोग रहा है। सत्य व आनंद के भोक्ता केवल वे हैं जो वर्तमान में जी पाते हैं। मैं कहता हूँ- आप केवल आज में जिएं। आज अमृत है, आज अमृतौषधि है, आज अमर है, आज अक्षय है। जीवन आज है, अभी है, यही है।

आज में जीने से मतलब है - आप जहां हैं वहीं रहें। दफ्तर में बैठे हैं तो दफ्तर में ही रहें। दफ्तर में बैठकर रसोईघर के चक्कर न लगाएं, भोजनशाला की प्रदक्षिणा न दें। जब आप खाना खा रहे हैं तो केवल खाना ही खाएं, विचारों को न खाएं, विकल्पों को न खाएं। आदमी खाना खाते वक्त भोजन को कम खाता है, विचारों को ज्यादा खाता है। आदमी आदतन ग्रास उठाता है, मुख में देता है और चबा जाता है, यह प्रक्रिया यंत्रवत् चलती है। कोई होश में खाना थोड़ी न खाता है, सब बेहोशी में चलता है, यंत्रवत् चलता है। हमारा उठना-बैठना, खाना-पीना, कपड़े पहनना, नहाना सब कुछ तो बेहोशी में होता है। तो यह बेहोशी की जिन्दगी अतीत व अनागत की जिन्दगी है। होशपूर्वक जीवन तो केवल वर्तमान में जिया जा सकता है। होश ही जीवन है, होश ही साधना है, होश ही प्रतिक्रमण व प्रायश्चित है, होश ही ध्यान है।

गौतम ने भगवान महावीर से पूछा- भंते हम क्या करें?

महावीर ने कहा- कुछ करने की उतनी फिक्र न करो, जो करते हो उसे ही होशपूर्वक करो। खाना खाओ तो होशपूर्वक, पानी पिओ तो होशपूर्वक, उठो-बैठो, चलो तो होशपूर्वक, श्वास लेते और छोड़ते समय पूरा ख्याल रखो कि मैंने कब श्वास ली और कब छोड़ी। अगर इतना होश साध लिया तो जीवन, जीवन्त तीर्थ बन जाएगा। चौबीस घंटे में से गर चौबीस मिनट भी होश साध लिया तो जीवन सध जाएगा, जिन्दगी संभल जायेगी।

तो घर में रहते हुए बाजार का और बाजार में रहते हुए घर का ख्याल करना गलत आदत है। इसे ही 'एबसेंस ऑफ माइन्ड' कहते हैं। जहां हो, पूरी तरह वहीं रहो। प्रजेन्स ऑफ माइन्ड अर्थात् प्रतिपल, जहां आप हैं वहीं पूरी तरह होने की कोशिश करें। मेरा मतलब केवल वर्तमान में जिएं, वर्तमान को पिएं, वर्तमान में करें, वर्तमान में मरें क्योंकि अतीत मृत है और अनागत अजन्मा। मनुष्य की पकड़ में केवल वर्तमान होता है और जो वर्तमान को पकड़ लेता है वह वर्द्धमान बन जाता है।

-मुनि तरुणसागर जी

साभार : 'दुःख से मुक्ति कैसे मिले?'

हाल ही में दीक्षित प.पू. श्री वीरसुंदर विजय जी म.सा.

सुश्रावक बालकिशनजी एवं सुश्राविका कांता बहन के सुपुत्र मुमुक्षु अरिहंत ने Polytechnic Diploma Electrical Engg. एवं बी.ए. की उच्च शिक्षा प्राप्त की है। विगत तीन साल से पू. गुरुभगवंतों के साथ रहकर संयम जीवन की तालीम लेकर 26 साल की उम्र में अरिहंत प्रभु के पथ पर चलने के लिए लालायित बने है। उन्होंने पंचप्रतिक्रमण, चार प्रकरण, तीन भाष्य, संस्कृत की दोनों बुक, सुलभ चरित्राणि, गौतमपृच्छा आदि अध्ययन करके ज्ञान मार्ग में, 1500 से ज्यादा कि.मी. का विहार करके क्रिया मार्ग में, उपधान तप, वधर्मान तप की 14 ओली एवं चउविहार छठ करके सात जात्रा करके तप मार्ग में अच्छी सफलता पाई है। शासन समर्पण शिविर में Most Talented Personality Award प्राप्त किया है। कवित्व शक्ति के साथ-साथ नृत्य, गायन, मंच संचालन एवं नाट्यमंचन के क्षेत्र में अच्छी महारत उन्होंने हासिल की है। उन्होंने पू. पंन्यास श्री धैर्यसुन्दर विजयजी म. के चरणों में जीवन समर्पण किया।

सन् 2009 में मुनि धैर्यसुन्दर विजय एवं मुनि निर्मोहसुन्दर विजय म. का आधा चातुर्मास खेड़ली हुआ तबसे उसे अध्यात्म के आसमान का दर्शन हो गया। सन् 2018 में पू. युवा प्रतिबोधक आचार्यदेव श्रीमद्विजय उदयवल्लभ सूरीश्वरजी म. की पावन निश्रा में उसने उपधान तप किया और आत्मा में सत्व के पंख ने फड़फड़ाने की शुरुआत कर दी। अब तो स्थिति ऐसी बन आई कि कब यह पिंजर खुले और कब मैं आसमां को छू लूं। बहुत ही कम समय में उस ऊँचाई को मैं कैसे प्राप्त कर लू, जहाँ से नीचे आने के सारे रास्ते हमेशा-हमेशा के लिए खत्म हो जाते हैं।

21 जनवरी 2022 के पावन दिन खेड़ली के लॉन्चिंग पेड से अरिहंत के उत्साह एवं समर्पण का हवाई जहाज अध्यात्म के आसमां में टेक ऑफ किया और पल्लीवाल समाज के युवा ने पल्लीवाल क्षेत्र खेड़ली में तपागच्छ दीक्षा प्राप्त की। प.पू. श्री वीरसुंदर विजय जी म.सा. नाम प्राप्त कर अध्यात्म की ओर अग्रसर हो गये। दीक्षा का यह अनूठा कार्यक्रम खेड़ली में शायद 3-4 शताब्दि में पहली बार हुआ है।

वर्ष 2005 में खेड़ली में आयोजित शिविर 'युवा हार्दिक शिविर' में 7 दिवसीय धर्म से जुड़ने की प्रेरणा मिली एवं साधु सन्तों का सानिध्य प्राप्त हुआ।

2009 धैर्य सुन्दर जी महाराज साहब के खेड़ली में चतुर्मास के दौरान प्रतिदिन उनका सानिध्य मिला, और महाराज के जीवन को देखकर प्रेरणा भी मिली कि महाराज साहब से दीक्षा लेकर संयम के पथ पर चलना चाहिये।

2009 के पश्चात लगातार महाराज साहब का जहां भी चौमासा होता वहां उनका सानिध्य प्राप्त करने लगे। धर्म की पाठशाला में जाने लगे।

सिरस में आयोजित 8 दिवसीय शिविर, काचरौली हिण्डौन में आयोजित 8 दिवसीय शिविर एवं फिर सिरस में आयोजित 8 दिवसीय शिविर में सहभागिता निभाई।

वर्ष 2019 से धैर्यसुन्दर जी महाराज के साथ विचरण पर रहे। रणकपुर, उदयपुर, पाली, अजमेर, जयपुर किशनगढ़, दिल्ली, हरिद्वार, हस्तिनापुर, बड़ौद, हरियाणा के गाव, हिण्डौन एवं नदबई खेड़ली में संघ यात्रा का सानिध्य प्राप्त किया।

2019 में आचार्य भगवंत उदय वल्लभ सूरीश्वर जी महाराज साहब के निश्रा में उपधान तप अम्बरबाड़ी, अहमदाबाद में 47 दिवसीय तप भी किया, जो पूर्णतय एक साधु की दिनचर्या पर आधारित था, जिसमें अरिहन्त का मन पूर्ण रूप से साधु बनने का हो गया।

उसके उपरान्त उदयपुर में धैर्यसुन्दर जी महाराज साहब के पास शिक्षा धार्मिक अध्ययन कार्य किया और धार्मिक ज्ञान की प्राप्ति की।

गच्छाधिपति श्री राजेन्द्र सूरीश्वर जी महाराज साहब के आदेशानुसार दि. 21 जनवरी 2022 को खेड़ली में दीक्षा ली।

गुरू के प्रति सम्पूर्ण रूप से समर्पित होकर उनके सानिध्य में तप करना ही सही मायने में दीक्षा का अर्थ है। सम्पूर्ण रूप से गुरू के चरणों में समर्पण एवं परिवार का त्याग कर खेड़ली में दिनांक 21 जनवरी 2022 को अपार जनसमूह के समक्ष दीक्षा प्राप्त की।

-चन्द्रशेखर जैन

भावभीनी श्रद्धांजलि

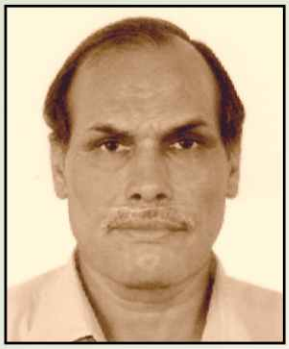

स्व. श्री महावीर प्रसाद जी जैन

(सुपुत्र स्व. श्री हरीशचन्द्र जी जैन)

(पुण्यतिथि : 21.5.2017)

स्व. ई. श्री मोहित कुमार जी जैन

(सुपुत्र स्व. श्री महावीर प्रसाद जी जैन)

(पुण्यतिथि : 9.8.2018)

हम आपको सादर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए
भगवान वीर से आपकी चिर आत्मीय शांति की प्रार्थना करते हैं।

श्रद्धावनत

श्रीमती मिथलेश जैन
(धर्मपत्नी)
डॉ. मेघा जैन-डॉ. पीयूष जैन
(पुत्री-दामाद)

श्रीमती मिथलेश जैन
(माँ)
डॉ. मेघा जैन-डॉ. पीयूष जैन
(बहन-बहनोई)

मोहित कुमार जैन ट्रस्ट (पंजि.)

ए/165, पालम एक्सटेंशन, सेक्टर 7, द्वारका, नई दिल्ली-110077
दूरभाष : 9599660709, 9599230509

भावभीनी श्रद्धांजलि

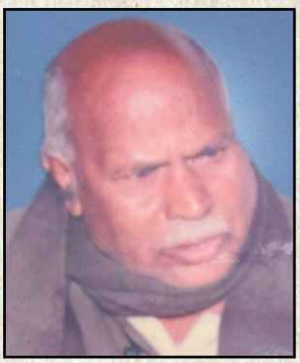

स्व. श्री शिव लाल जी जैन
(गंगापुरसिटी वाले)
(27.02.1922 - 13.02.2008)

स्व. श्रीमती कपूरी देवी जी जैन
(01.03.1930 - 15.01.2018)

आपका स्नेह, सद्व्यवहार, सेवा भावना एवं प्रेरणादायक चरित्र हमारी स्मृति में सदा रहेगा एवं मार्गदर्शन करता रहेगा। हम सभी परिवारजन आपको शत-शत नमन करते हुए अश्रुपूरित नेत्रों से श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु :
श्रीमती माया जैन
महावीर-कुसुम जैन
श्रीमती राजुल जैन
देवेन्द्र-विनीता जैन

पौत्र-पौत्रवधु :
हेमन्त-किरण जैन
हिमान्शु-शिप्रा जैन
सौरभ-आस्था जैन
वैभव-सौम्या जैन
शशांक-ऐश्वर्या जैन

प्रपौत्र, प्रपौत्री :
स्वास्तिक, आराध्य,
रिधान, आरोही,
विवान

पुत्री-दामाद :
कमला-सुरेश जैन
आशा-अजीत जैन
गुड्डी-अशोक जैन
चन्द्रेश-अशोक जैन

पौत्री-दामाद :
प्रियंका-अरविन्द जैन
ऋतु-अंकित जैन
स्वाति-कुलदीप जैन
श्वेता-नीरज जैन
नीतू-डालचन्द जैन
ज्योति-रवि कुमार जैन
सोनम-तरूण जैन

दोहता-वधु :
राजेश-मोहनी जैन
मनीष-लता जैन
विवेक-कीर्ति जैन
विकास-निधि जैन
अनुराग-अंकिता जैन
राहुल-ईशा जैन

दोहते :
अभिनव, आयुश जैन

दोहती-दामाद :
वर्षा जैन
अन्नू-नीरज जैन
रक्षा-विनीत जैन
शिवानी-आयुश जैन
ऋषि-विकास जैन
पूर्ती-मोहित जैन
कृपा-विशाल जैन

निवास : 64, सूर्य नगर, तारों की कूंट, टोंक रोड, जयपुर-302021, मोबाइल : 94140-57269

जा संयम पंथे वैरागी
तारो पंथ सदा उजमाल बने....

प.पू. श्री वीरसुंदर विजय जी म.सा.

समाज की आन-बान-शान
में वृद्धि करने वाले
दोनों नव-दिक्षीत
साधु-साध्वी
भगवंतो को
हमारा भाव भरा
वन्दन
एवं
दोनों वीर-परिवारों
को हमारा नमन

प.पू. मर्यादानिधि श्री जी म.सा.

मुमुक्षु अरिहन्त

मुमुक्षु भव्या

दीनदयाल जैन
महेश–सीमा
कपिल–कुमकुम
नमन, लक्षित, विहु, भाग्य
एवं समस्त नंगेश्वरिया परिवार
अलीपुर वाले

7, गणेश कॉलोनी, श्री नमिनाथ जिनालय के पास,
झोटवाड़ा, जयपुर-302012 (राज.) मो.: 9414074476

भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री राजेन्द्र प्रसाद जी जैन

जन्मः 14 जनवरी 1933 स्वर्गवास : 21 जनवरी 2019

: श्रद्धावनत:

श्रीमती सुधारानी जैन (पत्नी)

वीरेन्द्र कुमार जैन–इन्द्रा जैन (पुत्र–पुत्रवधु)

अनिल कुमार जैन–भारती जैन (पुत्र–पुत्रवधु)

अभिषेक जैन–विशु जैन (पौत्र–पौत्रवधु)

डा.अर्पिता–विवेक , राशी–क्षितिज (पौत्री–दामाद)

मयंक जैन (पौत्र), इरा जैन (पौत्री), अविका जैन (परपौत्री)

निवास : 116, मानस नगर, महोली रोड, मथुरा

प्रतिष्ठानः वी.के. ऑफसेट प्रिन्टर्स, जैन संस ट्रेडिंग कम्पनी, डी.43, इन्डस्ट्रीयल एरिया, मथुरा

मो. 9837022098, 9650235557, 9837950559

जीवन में नशे का तूफान

दिशा और दशा बिगाड़ने का तोहफा

हे प्रिय बन्धुगण - नशील वस्तुओं का सेवन करना ही प्राकृतिक जीवन की सुन्दरता को नष्ट करना है। दिशा और दशा को उजाले से निकाल कर अन्धेरे खड्डे में डाल देना है।

जीवन जीने की कला की रोशनी अन्तर्मन की गाथाएं, मन की विवेक विचारधाराएं, हृदय की उमंग भरी भावनाएं एवं आत्मबोध की दिशा को नशा अपनी ज्वाला भरी मस्त उत्तेजना से बिगाड़ देता है तब जीवन में जीने के लिए क्या शेष रह पाता है, दिशा के साथ ही दशा भी गर्त में चली जायेगी तब मात्र शेष रहेगा गदगद में घिरा हुआ चमड़ी से ढ़का हुआ जीवन पशु श्रेणी में आ जाता है।

हे भव्यजन, दिशा एक सुगन्धित सुरभित रास्ते का निर्माण करता है जिसमें अनेकानेक गुणों का समावेश होता है, दिशा ही मनुष्य के अन्तर्मन भावों को संयम की डोरी से बांधता है तथा अपने विवेक से मनुष्य जीवन को उस पथ पर चलाता है जिसमें अनेकानेक गुणों का समावेश है।

हे मान्यवर भव्यात्मा- यह रास्ता बड़ा कठोर है और जटिल भी इस रास्ते का द्वार संस्कृति-संस्कार के द्वारा खुलता है। इस द्वार को खोलने के लिए अनेक गुणों के संयोग से बनी हुई चाबी की आवश्यकता है, ये गुण जीवन की दशा को सुख-शान्ति, उत्साह-उल्लास, मुस्कराहट में ही नहीं बल्कि प्रभु भक्ति विनम्रता आदि को संजोए रखता है जिससे दिशा और दशा दोनों ही उत्तम श्रेणी में जीवन व्यतीत करते हैं।

हे महोदय- नशा उत्तेजना है जीवन की बर्बादी का तोहफा है, यह तो एक जाल है जिसमें फंसता है मनुष्य तथा बांधता है बरबादी की पोटली। इस जहरील पौधे में अनेक बरबादी के बीजों की उत्पत्ति होती है। जो जीवन को नारकीय जैसा बना देता है, इतना ही नहीं बल्कि नालियों में रमता हुआ मक्खियों को आमंत्रित कर अनेक रोगों का शिकार हो जाता है। अमूल्य जीवन को बर्बादी के कूडे में डाल देता है। प्राकृतिक मूल्यवान गुणों को नष्ट कर देता है और ऐसे अवगुणों की शृंखला में बंध जाता है जैसे उत्तेजना, उच्छृंखलता, उद्दंडता, उर्जरक, अपेक्षा, अवज्ञा, अज्ञानता, असत्यता, खुंखार राक्षस रूपता, अनादर! ये अवगुण उस नशा धारी मनुष्य में बिना आमंत्रण दस्तक देते हैं।

हे आत्मजन- इन अवगुणों की धारणा मनुष्य के जीवन का मोड़ दिशा और दशा कहां पहुंचायेगी। नशा कैसा भी हो खूंखार नाग की तरह फन फैलाता है, जीवन में तूफान मचा देता है, उजले जीवन को अंधेरे में डाल देता है। इतना ही नहीं बल्कि परिवार के अन्य सदस्यों को भी अनेक प्रकार के कष्टों का सामना करना पड़ता है। यहां तक कि स्वयं भी तथा परिवारजन भी मृत्यु के ग्रास में पहुंच जाते हैं। स्मरण रहे नशे की परिधि कभी छोटी नहीं होती कभी सीमित नहीं रहती यह तो अपना जाल दिन दूना-रात चौगना फैलाता रहता है अपना व पराये का ज्ञान तक नहीं रह पाता।

नशा अपनी फुंकार से बदबूदार मुखड़ा, नेत्रों को लाल मिर्च की तरह चिरमराहट, लड़खते खड़कते पैरों की दशा, जैसे- चलते-फिरते एक लकडहारा, मुंह पर मक्खियों का छत्ता। हाथ जैसे लोहे की दो पंखड़िया। इस दशा का पहलू है नशा। आजकल अनेक प्रकारेण नशा प्रचलित है। अफीम, गांजा, सुलफा, शराब, चूरियां, तम्बाकू, भांग और भी अनेकानेक।

हे श्रेष्ठीजन-नशा थोड़ी मात्रा से अधिक की ओर बढ़ता है। लेकिन अधिक मात्रा के सेवन में थोड़ी मात्रा के सेवन में नहीं आ पाता और न ही आने का मानस बना पता है। बीड़ी सिगरेट पीने वाले थोड़ी मात्रा में लेने वाले मण्डलों को धुंआ में निकाल देते हैं। उनके मस्तिष्क से लेकर रोम-रोम में प्रवेश हो जाता है। जिससे अनेक रोग शरीर को धारण कर लेते हैं। नशा करने वाले के पास सदैव क्रोध-अहंकार, तौफान सदैव साथ रहते हैं। उनका घर का द्वार भी फूंकार मारता रहता है।

हे जीव रत्न- याद रखिए ऐसे व्यक्तियों के पास अथवा उनके परिवार में हंसी-खुशी-आनंद, सानन्द, मुस्कराहट, शांति ये तो घर के दरवाजे में घुसने से भी शर्माती है। अर्थात् अशान्ति का द्वारपाल दरवाजे पर तैनात रहता है। आज के आधुनिक चलन में इन नशीली वस्तुओं के प्रयोग को शौक व सम्मान में मानते हैं। ये शौक जीवन को कहां से कहां ले जाकर छोड़ेगा यह आभास करना आवश्यक है।

हे भव्य प्राणी- ध्यान दीजिए जीवन ईश्वर प्रदत्त है। धरोहर है इसे संभाल कर रखना ही प्रभु साधना है। आधुनिक अवधि में नशे की जड़े अपना प्रचार-प्रसार कर उफान-उड़ान-

अहंकार-तूफान के रूप में शोर मचा रही है। वह है पैसे का गुमान। यह नशा अन्य नशों से भी भारी उत्पात मचाता है, इस नशे में अनेक प्रकार की उत्पत्ति स्वयं ही आकर जीवन को दुष्कर बना देती है। अपने को पराया करने में देर नहीं करता। इस नशे का आवरण जब जीवन में अवतरित होता है तो स्वयं अपने आप को खो देता है। और उड़ान भरता है आसमान समेटने की। और ऐसी क्रिया को संजोता है कि मर मिटता है और दूसरे को भी मिटा देता है। तभी तो कहा जा रहा है मनुष्य का जहर अथवा नशा अन्य नशे से अधिक भयावह एवं शमशीन होता है।

हे जनप्रिय- मनुष्य का जीवन स्वच्छ एवं शान्तप्रिय है, इसमें किसी भी प्रकार के गंदगी के अणु न आने पाएं। जीवन सार्थक हो, पवित्र हो, नैतिक हो, धार्मिक चेतना हो, विवेकशील हो, और सौम्य हो, मृदुल हो। यही जीवन का सार है। जगमगाता रहे जीवन। माधुर्य वाणी चेहरे को सौभती है और वात्सल्य धर्म को सौभता है। धर्म की वाणी प्रभु की अमृत वाणी में घुलने लग जाता है।

अतः नशा जीवन की बरबादी का सौगात है। जीवन को अमृतमयी बनाना है। जीवन अमूल्य है, धरोहर है। यह शुभ मानव जीवन फिर नहीं पायेंगे। नशा की ज्वाला से निर्मल एवं शीतलता के दर्शन कभी नहीं हो सकते तथा जीवन में कोई रस नहीं होता। नशा उत्तेजना पैदा करता है, तथा हे प्रिय बंधु, सुसंस्कारों को तो नष्ट करता ही है तथा जीवन व्यस्थित नहीं रह सकता। जीवन अमूल्य रत्न है। इसे संजोकर रखना ही जीवन साधना है। ताकि आपका अन्तिम क्षण भी दिव्य हो, परिवार भी महकता रहे फूलों की तरह।

-छगन लाल जैन *(हरसाना वाले)*
रि. अध्यापक

बधाई

प्रीशा जैन

केम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के एमबीबीएस में एडमिशन

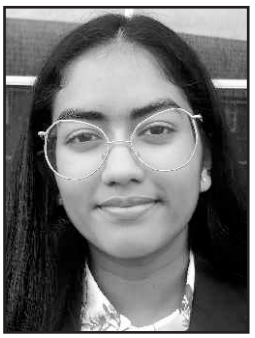

मूलतः राजस्थान की 18 वर्षीया प्रीशा जैन ने हाल ही में अपना स्थान, मेडिसिन (एमबीबीएस) की पढ़ाई करने के लिए केम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में सुनिश्चित किया है। केम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में दाखिला मिलना अपने आप में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। वे अपनी पढ़ाई सितम्बर 2022 से नए सत्र में शुरू करेंगी। अभी वह स्कूल के फ़ाइनल ईयर में पढ़ रही हैं।

केम्ब्रिज यूनिवर्सिटी, एक विश्वविख्यात और बहुत पुरानी यूनिवर्सिटी है। इसमें मेडिसिन की पढ़ाई के लिए दाखिला लेना बहुत कोमप्टिटिव और डिफ़िकल्ट है। प्रीशा नें केम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में एडिमशन के लिए पूरे लगन से एक वर्ष की तैयारी की। इसके लिए उन्होंने BMAT की परीक्षा बहुत ही अच्छे अंकों से पास की और वह UK के टॉप 5% में आयी और उनके दो इन्टरव्यू भी हुए। प्रीशा ने इन्टरव्यू की तैयारी करने के लिए आक्स्फ़र्ड और केम्ब्रिज के सीनियर स्टूडेंट्स को कांटैक्ट किया और उनसे गाइडेन्स ली और कई सारे मॉक इन्टरव्यू की प्रैक्टिस की और उन्होंने मेडिकल फ़ील्ड में 3 महीने का वर्क इक्स्पिरीयन्स और कई सारी समाज सेवा और वोलेंटीरिंग भी की। और केम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में अपने एड्मिशन की संभावनाओं को बढ़ाने के लिए उन्होंने आक्स्फ़र्ड, इम्पीरीयल और केम्ब्रिज यूनिवर्सिटीज के मेडिकल साइन्स की निबंध प्रतियोगिताएँ भी जीतीं।

प्रीशा एक मल्टी-टैलंटेड पर्सनेलिटी हैं। वह सन् 2020 में 'फॉयल यंग पोएट्स ऑफ द ईयर' का इंटरनेशनल अवॉर्ड भी जीत चुकी हैं। प्रीशा वॉयलिन भी अच्छा बजाती हैं और स्कूल के ऑर्कस्ट्रा की लीड-वॉयलिनिस्ट है एवं ट्रिनिटी कॉलेज लंदन से सन् 2021 में वॉयलिन सर्टिफ़िकेट ग्रेड-8 पास कर चुकी हैं। प्रीशा एक बहुत अच्छी क्रिकेटर भी हैं और एस्सेक्स काउंटी की अंडर 15 की गर्ल्स क्रिकेट टीम के लिए भी खेल चुकी हैं। प्रीशा पेटिंग, ड्रॉइंग एवं स्विमिंग भी अच्छा करती हैं और उन्हें एम्ब्रोएड्री करना भी पसंद है।

प्रीशा साप्ताहिक जैन पाठशाला अटेंड करती हैं और अपने जीवन यापन में जैन धर्म के सिद्धांतों का उपयोग करती हैं। अभी हाल ही में उन्हें केम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में दाखिला मिलने पर मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज का आशीर्वाद भी प्राप्त हुआ।

प्रीशा अपने माता-पिता (रानू-नीरज) और छोटे भाई अरहन जैन के साथ यू.के. की एस्सेक्स काउंटी में रहती हैं। उनकी माता का परिवार जयपुर में और पिता का परिवार कोटा में रहता है। प्रीशा के ताऊजी श्री महेंद्र कुमार जैन, वर्तमान में पल्लीवाल जैन महासभा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री हैं।

अ.भा.प. जैन महासभा प्रीशा को इस उपलब्धि पर उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए हार्दिक शुभकामनाऐं प्रेषित करती है।

पहन वैरागी का आभूषण - देखो चला अरिहंत

भजनों की ताल पे थिरकते जिसके पांव
मनमोहक लुभाता नृत्य जिसका
मधुर संगीत करता मंत्रमुग्ध उसका
पहन वैरागी का आभूषण
देखो चला अरिहंत।।

नाट्य कला से जो संपन्न
श्रेष्ठ वक्ता के हैं जिसमें गुण
लेखन कला में विद्यमान
विशेष है उनमें ये गुण
पहन वैरागी का आभूषण
देखो चला अरिहंत।।

स्वादिष्ट रसोईया की कला
सर्वोपरि हैं ये गुण
हर कला का धनी वो
छोड़ संसार का चक्रव्यू
पहन वैरागी का आभूषण
देखो चला अरिहंत।।

प्रभु अरिहंत के नाम
जन्मा एक अरिहंत
नाम से है जो अरिहंत
कर्म से भी बनने चला अरिहंत
पहन वैरागी का आभूषण
देखो चला अरिहंत।।

कांता बेन का लाल
बालकिशन की शान
पहन वैरागी का आभूषण
देखो चला अरिहंत।।

अरिहंत से अरिहंत की यात्रा
अरिहंत संग अरिहंत की यात्रा
अरिहन्त अब अरिहन्त को है समर्पित
अरिहन्त अब है वीरसुन्दर
अनथक, अद्वितीय, अद्भुत अरिहंत
जीवन का मर्म अरिहन्त
खेरली का मान अरिहन्त
अरिहन्त अब अरिहन्त की यात्रा पर
छोड़ चला सब नाते रिश्ते
दे गया सबको अपना मान
संयम की राह का राही
बंधनो से दूर, अजेय वैरागी
अब बन गया वीरसुन्दर विजय जी महाराज।।

-श्वेता जैन
पुत्री श्री प्रकाश चंद जैन (खोह वाले) खेरली

राजा का ज्ञान

मिथिला में एक बड़े ही धर्मात्मा एवं ज्ञानी राजा थे। राजमहल में भारी ठाट-बाट होते हुए भी वे उसमें लिप्त नहीं थे। उनके पास एक बार एक साधु उनसे मिलने आया। राजा ने साधु का हृदय से सम्मान किया और दरबार में आने का कारण पूछा।

साधु ने कहा, 'राजन्! सुना है कि इतने बड़े महल में इतने ठाट-बाट के बीच रहते हुए भी आप इनसे अलग रहते हैं। मैंने वर्षों हिमालय में तपस्या की, अनेक तीर्थों की यात्राएँ की, फिर भी ऐसा न बन सका। आपने राजमहल में रह कर ही यह बात कैसे साध ली?'

राजा ने उत्तर दिया, 'महात्माजी! आप असमय में आये हैं। यह मेरा काम का समय है। आपके सवाल का जवाब मैं थोड़ी देर बाद दूँगा। तब तक आप इस दीये को लेकर मेरे महल को पूरा देख आइये। एक बात का ध्यान रखिये, दीया बुझने न पाये, नहीं तो आप रास्ता भूल जायेगे।'

साधु दीया लेकर राजमहल को देखने चल दिये। कई घन्टे बाद वे लौटे तो राजा ने मुस्करा कर पूछा, कहिये, स्वामीजी! मेरा महल कैसा लगा?

साधु बोले, 'राजन्! मैं आपके महल के हर भाग में गया। सब कुछ देखा, फिर भी वह अनदेखा रह गया। राजन्! मेरा सारा ध्यान इस दीये पर लगा रहा कि कहीं यह बुझ न जाय।'

राजा ने उत्तर दिया, 'महात्माजी! इतना बड़ा राज चलाते हुए मेरे साथ भी यही बात है। मेरा सारा ध्यान परमात्मा में लगा रहता है। चलते-फिरते, उठते-बैठते एक ही बात सामने रहती है कि सब कुछ उसी का है और मैं जो कुछ कर रहा हूँ, उसी के लिए कर रहा हूँ।'

साधु राजा के चरणों में सिर झुका कर चले गये।

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका मासिक

दी रजिस्ट्रेशन ऑफ न्यूज पेपर-सेंट्रल रुल्स-1956 अन्वये
श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका मासिक पत्रिका की जानकारी, फार्म नं. 4
(देखें रुल नं. 8)

1. प्रकाशक का स्थान	:	86, मगन विला, श्री विहार कॉलोनी, होटल क्लार्क आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-302018
2. प्रकाशन की सामयिकता	:	मासिक हर माह की 25 तारीख
3. मुद्रक का नाम	:	गणेश आर्ट प्रिंटर्स, जे-51, कृष्णा मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर
4. प्रकाशक का नाम	:	चन्द्रशेखर जैन 86, मगन विला, श्री विहार कॉलोनी, होटल क्लार्क आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-302018
राष्ट्रीयता	:	भारतीय
5. संपादक का नाम	:	प्रकाश चन्द जैन 78, बैंक कॉलोनी, महेश नगर विस्तार 'बी', गोपालपुरा बाईपास, जयपुर-302015
राष्ट्रीयता	:	भारतीय
6. मालिक का नाम	:	अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा (रजि.)

मैं चन्द्रशेखर जैन घोषणा करता हूँ कि ऊपर दी गई जानकारी मेरी जानकारी के अनुसार पूरी तरह से सही है।

25.02.2022 ***चन्द्रशेखर जैन***

शाखा समाचार

सबसे कम उम्र के पदयात्री अयांश ने पूरी की चूलगिरी मंदिर तक की पदयात्रा

जैन पैदल यात्रा संघ जयपुर के तत्वाधान में रविवार 20 फरवरी 2022 को जयपुर स्थित शक्ति नगर जैन मंदिर से चूलगिरी मंदिर तक की पदयात्रा हर्ष और उल्लास के साथ संपन्न हुई। इस पदयात्रा में जयपुर शहर की विभिन्न क्षेत्रों की लगभग 50 पद यात्रियों ने हिस्सा लिया। पदयात्रा की शुरुआत शक्ति नगर जैन मंदिर से नवकार महामंत्र के उच्चारण के साथ प्रारंभ हुई। पदयात्रा के दौरान महिलाओं, बुजुर्ग, युवाओं और बच्चों ने बढ़-चढ़कर जिन शासन के महत्व को दर्शाने वाले नारे लगाए और इस कोरोना काल में विश्व शांति की प्रभु से कामना की इस पदयात्रा का विशेष आकर्षण सबसे कम उम्र के पदयात्री अयांश जैन (उम्र 3 वर्ष) रहे। अयांश जैन जन्म से ही धार्मिक प्रवृत्ति के रहे हैं। उन्हें नवकार मंत्र आदि धार्मिक मंत्रों में विशेष रूचि है।

शक्तिनगर से शुरुआत कर मोती डूंगरी गणेश जी के मंदिर दर्शन करने के पश्चात सेठी कॉलोनी स्थित जैन मंदिर में दर्शन करते हुए सभी पदयात्री भजन गाते हुए और प्रभु भक्ति करते हुए चूलगिरी मंदिर प्रांगण में पहुंचे। चूलगिरी मंदिर पहुंचने पर मंदिर समिति द्वारा सभी पैदल यात्रियों का स्वागत सत्कार किया गया। पैदल यात्रियों द्वारा भगवान के समक्ष संगीत में भक्ति कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया इस अवसर पर प्रभु की चालीसा, आरती और भजन भी प्रस्तुत किए गए। यात्रा संयोजक अनिल कुमार जैन ने कहा कि धार्मिक पदयात्रा के माध्यम से समाज के लोगों में धार्मिक भावनाओं का संचार होता है और जन कल्याण की दिशा में कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। चूलगिरी से पूर्व पदमपुरा और बैनाड तक भी पैदल यात्रा का कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न किया जा चुका है और भविष्य में भी जयपुर के आसपास स्थित जैन तीर्थों तक पैदल यात्रा का यह कार्यक्रम अनवरत रूप से जारी रहेगा।

शोक संवेदना

श्रीमती प्रेम कुमारी जैन धर्मपत्नी श्री छगनलाल जैन शाह (हरसाना वाले), फ्लैट नंबर 308, टावर 3, अपना घर, शालीमार एक्सटेंशन, अलवर का देवलोक गमन दिनांक 11 जनवरी 2022 को 82 वर्ष की उम्र में हो गया। आप सरल स्वभाव, धार्मिक, मधुभाषी, दयामयी एवं देव शास्त्र गुरु के प्रति अनुपम श्रद्धा तथा सत्यता पर निष्ठावान, मिलनसार महिला थीं।

श्री प्रकाशचंद जी सा. जैन निवासी मंडावर का दि. 1 जनवरी 2022 को 84 वर्ष की आयु में देवलोक गमन हो गया। आप सरल स्वभावी, स्पष्ट वक्ता, उदारमना, सामायिक स्वाध्याय में विशेष रूचि रखने वाले संघ सेवी धर्म प्रेमी सुश्रावक रत्न थे। आपने मंडावर में श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ के अध्यक्ष पद पर रहकर समाज को लम्बे समय तक अपना कुशल नेतृत्व प्रदान किया। आपको वीर मामा बनने का सौभाग्य भी प्राप्त है। आप सांसारिक पक्ष में सेवाभावी महासती पू. श्री विमलेश प्रभा जी म.सा. के मामा लगते थे। आपकी श्रद्धा को केन्द्र परम पूज्य आचार्य भगवन्त श्री हस्तिमल जी म.सा. परम पूज्य आचार्य भगवन्त श्री हीराचन्द्र जी म.सा. एवं सभी संत-सती वृन्द रहे हैं। संत-सती वृन्द की सेवा एवं स्वधर्मी भाई-बहिनों के आतिथ्य में आपका परिवार सदा अग्रणी रहता है।

अ.भा.प.जैन महासभा दिवंगत आत्माओं को श्रद्धा सुमन अर्पित करती है।

एक धार्मिक एवं शिक्षाप्रद संवाद

मुंशी फैज अली ने स्वामी विवेकानन्द से पूछा- 'स्वामी जी हमें बताया गया है कि अल्लाह एक ही है। यदि वह एक ही है, तो फिर संसार उसी ने बनाया होगा?'

स्वामी जी बोले, 'सत्य है।'

मुशी जी बोले, 'तो फिर इतने प्रकार के मनुष्य क्यों बनाये। जैसे कि हिन्दु, मुसलमान, सिक्ख, ईसाई और सभी को अलग-अलग धार्मिक ग्रंथ भी दिये। एक ही जैसे इंसान बनाने में उसे यानि की अल्लाह को क्या एतराज था। सब एक होते तो न कोई लड़ाई और न कोई झगड़ा होता।'

स्वामी हँसते हुए बोले, 'मुंशी जी वो सृष्टी कैसी होती जिसमें एक ही प्रकार के फूल होते। केवल गुलाब होता, कमल या रंजनीगंधा या गेंदा जैसे फूल न होते!'

फैज अली ने कहा, 'सच कहा आपने यदि एक ही दाल होती तो खाने का स्वाद भी एक ही होता। दुनिया तो बड़ी फीकी सी हो जाती!'

स्वामी जी ने कहा, 'मुंशीजी! इसीलिये तो ऊपर वाले ने अनेक प्रकार के जीव-जंतु और इंसान बनाए ताकि हम पिंजरे का भेद भूलकर जीव की एकता को पहचाने।'

मुंशी जी ने पूछा, इतने मजहब क्यों?

स्वामी जी ने कहा, 'मजहब तो मनुष्य ने बनाए हैं, प्रभु ने तो केवल धर्म बनाया है।'

मुशी जी ने कहा, 'ऐसा क्यों है कि एक मजहब में कहा गया है कि गाय और सुअर खाओ और दूसरे में कहा गया है कि गाय मत खाओ, सुअर खाओ एवं तीसरे में कहा गया कि गाय खाओ पर सुअर न खाओ। इतना ही नहीं कुछ लोग तो ये भी कहते हैं कि मना करने पर जो इसे खाये उसे अपना दुश्मन समझो।'

स्वामी जी जोर से हँसते हुए मुंशी जी से पूछा कि, 'क्या ये सब प्रभु ने कहा है?'

मुंशी जी बोले, 'नहीं, मजहबी लोग यही कहते हैं।'

स्वामी जी बोले, 'मित्र! किसी भी देश या प्रदेश का भोजन वहाँ की जलवायु की देन है। सागर तट पर बसने वाला व्यक्ति वहाँ खेती नहीं कर सकता, वह सागर से पकड़ कर मछलियां ही खायेगा। उपजाऊ भूमि के प्रदेश में खेती हो सकती है। वहाँ अन्न फल एवं शाक-भाजी उगाई जा सकती है। उन्हें अपनी खेती के लिए गाय और बैल बहुत उपयोगी लगे। उन्होंने गाय को अपनी माता माना, धरती को अपनी माता माना और नदी को माता माना। क्योंकि ये सब उनका पालन पोषण माता के समान ही करती हैं। अब जहाँ मरुभूमि है वहाँ खेती कैसे होगी? खेती नहीं होगी तो वे गाय और बैल का क्या करेंगे? अन्न है नहीं तो खाद्य के रूप में पशु को ही खायेंगे। तिब्बत में कोई शाकाहारी कैसे हो सकता है? वही स्थिति अरब देशों में है। जापान में भी इतनी भूमि नहीं है कि कृषि पर निर्भर रह सकें। स्वामी जी फैज अली की तरफ मुखातिब होते हुए बोले, 'हिन्दु कहते हैं कि मंदिर में जाने से पहले या पूजा करने से पहले स्नान करो। मुसलमान नमाज पढ़ने से पहले वाजु करते हैं। क्या अल्लाह ने कहा है कि नहाओ मत, केवल लोटे भर पानी से हांथ-मुँह धो लो?'

फैज अली बोला, 'क्या पता कहा ही होगा!'

स्वामी जी ने आगे कहा, 'नहीं, अल्लाह ने नहीं कहा! अरब देश में इतना पानी कहाँ है कि वहाँ पाँच समय नहाया जाए। जहाँ पीने के लिए पानी बड़ी मुश्किल से मिलता हो वहाँ कोई पाँच समय कैसे नहा सकता है। यह तो भारत में ही संभव है, जहाँ नदियां बहती हैं, झरने बहते हैं, कुएँ जल देते हैं। तिब्बत में यदि पानी हो तो वहाँ पाँच बार व्यक्ति यदि नहाता है तो ठंड के कारण ही मर जायेगा। यह सब प्रकृति ने सबको समझाने के लिये किया है।'

स्वामी विवेकानंद जी ने आगे समझाते हुए कहा कि, 'मनुष्य की मृत्यु होती है। उसके शव का अंतिम संस्कार करना होता है। अरब देशों में वृक्ष नहीं होते थे, केवल रेत थी। अतः वहाँ मृतिका समाधी का प्रचलन हुआ, जिसे आप दफनाना कहते हैं। भारत में वृक्ष बहुत बडी संख्या में थे, लकड़ी पर्याप्त उपलब्ध थी, अतः भारत में अग्नि संस्कार का प्रचलन हुआ। जिस देश में जो सुविधा थी वहाँ उसी का प्रचलन बढ़ा। वहाँ जो मजहब पनपा उसने उसे अपने दर्शन से जोड़ लिया।'

फैज अली विस्मित होते हुए बोला, 'स्वामी जी इसका मतलब है कि हमें शव का अंतिम संस्कार प्रदेश और देश के अनुसार करना चाहिये। मजहब के अनुसार नहीं।'

स्वामी जी बोले, 'हाँ! यही उचित है। किन्तु अब लोगों ने उसके साथ धर्म को जोड़ दिया। मुसलमान ये मानता है कि उसका ये शरीर कयामत के दिन उठेगा इसलिए वह शरीर को जलाकर समाप्त नहीं करना चाहता। हिन्दु मानता है कि उसकी

आत्मा फिर से नया शरीर धारण करेगी इसलिए उसे मृत शरीर से एक क्षण भी मोह नहीं होता।'

फैज अली ने पूछा कि, 'एक मुसलमान के शव को जलाया जाए और एक हिन्दु के शव को दफनाया जाए तो क्या प्रभु नाराज नही होंगे?'

स्वामी जी ने कहा, 'प्रकृति के नियम ही प्रभु का आदेश हैं। वैसे प्रभु कभी रुष्ट नहीं होते, वे प्रेमसागर हैं, करुणा सागर है।

फैज अली ने पूछा, तो हमें उनसे डरना नहीं चाहिए?

स्वामी जी बोले, 'नहीं! हमें तो ईश्वर से प्रेम करना चाहिए वो तो पिता समान है, दया का सागर है फिर उससे भय कैसा। डरते तो उससे हैं हम जिससे हम प्यार नहीं करते।

फैज अली ने हाथ जोड़कर स्वामी विवेकानंद जी से पूछा, 'तो फिर मजहबों के कठघरों से मुक्त कैसे हुआ जा सकता है?'

स्वामी जी ने फैज अली की तरफ देखते हुए मुस्कराकर कहा, 'क्या तुम सचमुच कठघरों से मुक्त होना चाहते हो?'

फैज अली ने स्वीकार करने की स्थिति में अपना सर हिला दिया।

स्वामी जी ने आगे समझाते हुए कहा, 'फल की दुकान पर जाओ, तुम देखोगे वहाँ आम, नारियल, केले, संतरे,अंगूर आदि अनेक फल बिकते हैं; किंतु वो दुकान तो फल की दुकान ही कहलाती है। वहाँ अलग-अलग नाम से फल ही रखे होते हैं।

फैज अली ने हाँ में सर हिला दिया।

स्वामी विवेकानंद जी ने आगे कहा कि, 'अंश से अंशी की ओर चलो। तुम पाओगे कि सब उसी प्रभु के रूप हैं।

फैज अली अविरल आश्चर्य से स्वामी विवेकानंद जी को देखते रहे और बोले, 'स्वामी जी मनुष्य ये सब क्यों नही समझता?'

स्वामी विवेकानंद जी ने शांत स्वर में कहा, 'मित्र! प्रभु की माया को कोई नहीं समझता। मेरा मानना तो यही है कि, सभी धर्मों का गंतव्य स्थान एक है। जिस प्रकार विभिन्न मार्गों से बहती हुई नदियां समुंद्र में जाकर गिरती हैं, उसी प्रकार सब मतमतान्तर परमात्मा की ओर ले जाते हैं।

मानव धर्म एक है, मानव जाति एक है।

संकलन : चन्द्रशेखर जैन

बधाई

डॉ. हिमानी जैन सुपुत्री श्री राकेश कुमार जैन, निवासी ए-12, इंद्रपुरी कॉलोनी,लाल कोठी, जयपुर को B.H.M.S. (N.I.H. Kolkata, Govt. Of India) से पूर्ण करने एवं कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर अ.भा.प. जैन महासभा की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

कार्तिक जैन पुत्र श्री संजीव कुमार जैन (तालचिड़ी वाले) ईमली फाटक, जयपुर ने बैडमिंटन में जयपुर डिस्ट्रीक ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में अण्डर-17 और अण्डर-19 में विजेता बनकर, एम.जे.एफ.आई. जयपुर डिस्ट्रीक में

अण्डर-17 में विनर होकर, राजस्थान स्टेट जूनियर चैम्पीयनशिप में अण्डर-19 के सिंगल-डबल टीम में उपविजेता रह कर नेशनल में सलेक्शन प्राप्त कर समाज का गौरव बढ़ाया है। अ.भा.प. जैन महासभा कार्तिक जैन के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए हार्दिक शुभकामनाऐं प्रेषित करती है।

आचार्य हस्ती आध्यात्मिक शिक्षण संस्थान के पूर्व मानद् सचिव, वरिष्ठ स्वाध्यायी **श्री अशोक कुमार जैन** (हरसाना वाले) निजी सचिव, प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन बल प्रमुख राजस्थान, जयपुर का वन विभाग द्वारा राज्य स्तरीय गणतंत्र समारोह में उत्कृष्ट सेवा (प्रशस्ति पत्र) हेतु चयन किए जाने पर अ.भा.प. जैन महासभा की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

QUALITY WORKS • PROMPT SERVICE • COMPETITIVE RATES

PRODUCTS :
Transmission Line Towers (HT&LT), Telecom Towers, Wind Mill Structures, Sub-Station Structures, Lattice Structures, RSJ Poles & GI Earthing Strips.

FULLY EQUIPPED ULTRA MODERN FABRICATION AND GALVANIZING PLANT WITH EOT CRANES, HOISTS, POWER TROLLEYS, TESTING LABS & ETP SYSTEM TO ENSURE GREEN ENVIRONMENT

Fabrication & Galvanizing done as per IS, BIS, ASTM, DIN & ISO Standards
Bath Size : 9m (L) x 0.8m (W) x 1.4m (D)
Plant Capacity : 18000 Tons / Year

Vijay Transmission PVT. LTD.

Plant :
PNH No. 100, Village Kanhera, Block Dharsiva, Uria Acholi Marg, Dist. Raipur-492001
Tel.: (0771) 305 4900 • Fax : (0771) 232 3162

Corporate Office :
210, 211, 2nd Floor, Kamla Space, S.V. Road, Santacruz (West), Mumbai-400054
Tel.: 022-262183401 • Fax : +91-022-26609915
E-mail : info@vijaytransmission.com

द्वितीय पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री नरेश चंद जी जैन

(स्वर्गवास : 16 मार्च 2020)

हम सभी परिजन आपके प्रेरणादायक जीवन व आदर्शों को हृदयस्थ रखते हुए श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं।

श्रद्धावनत

श्रीमती बिमला देवी जैन
(धर्मपत्नी)

पुत्र-पुत्रवधु :
संजय जैन-अंजली जैन
नितिन जैन-नेहा जैन
विपिन जैन

पौत्र, पौत्री :
ऋषभ, दिव्या, दिव्यांश,
हिमांशु, हार्दिक, भावित जैन

भ्राता-भ्रातावधु :
स्व. श्री नरेन्द्र कुमार जैन-कविता जैन
श्री उमेश जैन-राजुल जैन
श्री पारस जैन-मधु जैन
श्री अरिहंत जैन-रमा जैन

भतीजे-भतीजे वधु :
मनोज-पंकज जैन
मनीष जैन-रूचि जैन
रजनीश जैन-मंजू जैन
विपिन जैन-रीना जैन
पीयूष जैन-ज्योति जैन
विपिन जैन-डॉ. याचना जैन
योगेश जैन-दीपांशु जैन
गौरव जैन-बंदना जैन

प्रतिष्ठान :

मे. श्याम बाबा स्वीट्स
पुराना बाजार, पालम गांव, नई दिल्ली-45 (मो. 9289340862)

मे. श्याम बाबा स्वीट्स
आर.जेड.-1बी, पूरन नगर, पालम गांव, नई दिल्ली-77 (मो. 9999693739, 9711095557)

निवास : **डब्ल्यू जेड-561, पालम गांव, नई दिल्ली-110045**

13वीं पुण्यतिथि पर
भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्रीमती मैनावती जी जैन

(सुपुत्री स्व. श्री नेमीचंद जैन (वैद्य) एवं स्व. श्रीमती गोविन्दी देवी जैन)

स्वर्गवास : 25 फरवरी 2009

आपके कार्य-परायणता, सच्चाई, परिश्रम एवं धर्म का वास के द्वारा जो आपने उच्च आदर्श स्थापित किए हैं, हम उनको आजीवन निभाने के प्रयासरत रहेंगे। हम आपके आदर्शवादी जीवन को श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं।

श्रद्धावनत

पति :
मदन लाल जैन
(से.नि. प्रधानाचार्य)

पुत्र-पुत्रवधू :
डॉ. राकेश जैन-डॉ. सुनिता जैन
राजेश जैन-नीलम जैन
राजीव जैन-रंजना जैन *(यू.एस.ए.)*
ई. रंजन जैन-सीमा जैन
(एक्स.ई.एन.)

पुत्री-दामाद :
रेनू जैन-अशोक जैन
(सीनियर मैनेजर बैंक ऑफ इंडिया)

पौत्र, पौत्री :
डॉ. निहारिका-डॉ. सजल
जतिन, मेघा, ईशान,
प्रेक्षा, ई. दिव्यांश, गीतांजलि

नाती : ई. पलाश जैन

ससुर-सास :
स्व. सेठ श्री नेमीचंद-स्व. हरप्यारी जैन
(नगला संजा मथुरा)

नन्द-नन्दोई :
स्व. अनार देवी-स्व. विशम्भर लाल जैन
स्व. अंगुर देवी-डॉ. नेमीचन्द जैन
सोन देवी-स्व. राजेन्द्र प्रसाद जैन

जेठ-जेठानी :
स्व. भजनलाल-स्व. प्रेमलता

देवर-देवरानी :
मुंशीलाल-स्व. मथुरी
स्व. डॉ. बाबूलाल-पुष्पा जैन *(यू.एस.ए.)*
मोतीलाल-ललिता जैन
स्व. मुकन्दीलाल-मनोरमा जैन
प्रो. जवाहर लाल-विद्या जैन *(यू.एस.ए.)*

लाडनूं, जिला नागौर, राजस्थान
फोन : 9461373080, 9079216400, 9664167069

S. R. ENTERPRISES

TRANSASIA

Roche

TOSOH

BIOMÉRIEUX

Ortho-Clinical Diagnostics
a Johnson & Johnson company

Abbott

BIO-RAD

SD BIOSENSOR,INC.

Stago
Diagnostics is in our blood.

B-18&19, Jai Jawan Colony Scheme No. 1st, Tonk Road, Jaipur-302018 (Rajasthan)
(M) +91-9829012628, +91-9414076265 E-mail : srindiaentp@yahoo.com

पुण्य स्मृति

श्री दिलीप जी जैन सलावादिया

(पुत्र श्री लाला प्यारेलाल जी जैन)

स्वर्गवास : 10 जनवरी 2022, सोमवार

श्रीमती मीरा जैन (धर्मपत्नी)

श्रीमती सांची एवं हिमांशू जैन *(पुत्रवधू व पुत्र)*
दीपाली एवं विकास जैन, आगरा *(पुत्री व दामाद)*
श्रीमती शालिनी एवं सतीशचन्द्र जैन *(भाभी-भाई)*
पूर्व राष्ट्रीय अर्थमंत्री महासभा
श्रीमती कीर्ति एवं कोणार्क जैन *(भतीजा वधू-भतीजा)*
सिद्धार्थ, खुश, सार्थक *(पौत्र)*
शिप्रा एवं आशीष जैन, *मथुरा*
अंकिता एवं निखिल जैन, आगरा *(भतीजी एवं भतीजा दामाद)*

-: ससुराल पक्ष :-
स्व. श्री अशोक कुमार जैन एड.
श्री पवन जैन, वीरेन्द्र जैन, शशिकुमार जैन आगरा

निवास - 37, मोहन नगर, फिरोजाबाद
मो.: 9219633835, 9654722013, 9927087627

भावभीनी श्रद्धांजलि

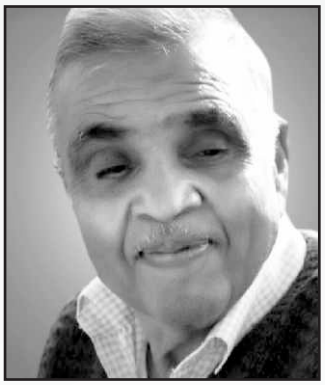

स्व. श्री सुरेश चन्द जी जैन

पुत्र स्व. श्री रमेश चन्द जैन, निवासी मलपुरा, आगरा (उ.प्र.)

(जन्मतिथि: 21.01.1945 - स्वर्गवास : 12.01.2022)

हम सभी परिवारजन आपके प्रेरणादायक चरित्र और जीवन का स्मरण करते हुए श्रद्धापूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

श्रीमती जैना जैन (धर्मपत्नी)

भाई :
सुमेर चन्द-माया जैन
महेश चन्द-राजकुमारी जैन
दिनेश चन्द-अनिता जैन

भतीजा-बहु :
कौशल-पूनम
हितेन्द्र-मोनिका
आकाश
आशी, राशि, चेष्ठा

पुत्री-दामाद :
सुनयना (हिमानी)-प्रदीप जैन

नवासा, नवासी :
अक्षय (हनु),
अक्षरा (पिंकी)

बहनें :
सरोज-हरीश जैन
मनोरमा-महावीर प्रसाद जैन

ससुराल पक्ष :
निर्मल कुमार जैन-मधु जैन
(आलमारी वाले)
मुदित-सोनिया जैन
सम्यक-पायल जैन
सुवरत-आर्जव

-: निवास :-
864-865, सैक्टर 1, बोदला आवास विकास, सिकन्दरा रोड, आगरा
फोन : 9870704925, 9460556531

श्री महावीराय नमः

24वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन

स्व. श्री आलोक जैन

जन्म दिनांक : 01.12.1973

पुण्य तिथि : 10.02.1998

हम सभी परिवारजन आपको शत् शत् नमन एवं स्मरण करते हुए अश्रुपुरित श्रद्धापूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

ज्ञानचन्द जैन (पिता)

पूर्व अर्थमंत्री, अ.भा. पल्लीवाल जैन महासभा

श्रीमती विजया जैन (माता)

बहिन - बहनोई :

ऋतु जैन - शिरीष जैन

अम्बिका जैन - मनीष कुमार जैन

ताऊजी :

खैराती लाल जैन,

आयकर अधिकारी (रिटायर्ड)

धर्मचन्द जैन

हरिश्चन्द जैन (मौजपुर वाले)

भानजे, भानजी :

आशिमा जैन, यशोवर्धन जैन, मीमांसा जैन

: निवास :

ए-12, श्री सुन्दर सिंह भण्डारी नगर, स्वेज फार्म, हेम मार्ग, न्यू सांगानेर रोड,
सोडाला, जयपुर, फोन : 0141-2297745, मो. : 9414057287

17 वीं पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्रीमती सावित्री जैन

(जन्म : 20.02.1941 - स्वर्गवास : 03.03.2005)

हम सभी परिवारजन आपको शत् शत् नमन एवं
स्मरण करते हुए अश्रुपुरित श्रद्धापूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

प्रकाश चन्द जैन
(पति)

पुत्र-पुत्रवधू :
हेमंत जैन-रेखा जैन
पौत्र :
सिद्धांत व वेदांत

पुत्री-दामाद :
नीना-कमल प्रकाश
सीमा-अजय

Resi.: 5359, Laddu Ghati, New Delhi-110055
Flat No. 9, Basrurkar Market, North Moti Bagh-1, New Delhi-110021
Mob.: 9810190295, 9811428964

श्री महावीराय नमः

अष्टम् पुण्यतिथि पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि

स्व. शिखर चन्द जैन (पल्लीवाल)

(स्वर्गवास : 20 फरवरी 2014)

आपकी मुस्कुराहट से महकता था घर सारा।
आपकी यादें बनी अब जीवन का सहारा।।

हम सभी परिवारजन आपको स्मरण करते हुए श्रद्धापुर्वक नमन करते है।

श्रद्धावनत

धर्मपत्नी :
मंजु देवी जैन

पुत्र-पुत्रवधु :
गुंजन जैन-गरिमा जैन
मधुप जैन-शिवानी जैन

पौत्र-पौत्री :
पार्थ, पलाक्षी
भूमिक, चेरिका

प्रतिष्ठान :
आदिनाथ इंजिनयरिंग
महादेव नगर, रोड़ नं. 17, विश्वकर्मा, जयपुर

निवास :
'' शिखरविला'' मकान नं. 8, गोर्वधन कॉलोनी,
नृसिंहपुरा, अजमेर रोड़, ब्यावर
9269811470, 9460321648, 9251440432

पत्रिका सदस्यता

3169.Sh. Keshaw Kumar Ji Jain, 216] Teeja Nagar, Gali No. 4, Sirsi Road, Panchayawala, Jaipur-302034, Mob.: 9038471750 *(CR D-2681)*

3170.Sh. Padam Chand Ji Jain, 2-K-292, Shivaji Park, Alwar-301001, Mob.: 9413048598 *(CR D-2692)*

3171.Sh. Ashu Ji Jain, 1-D-14 CHB, 1st Pulia, Jodhpur-342008, Mob.: 9462682928 *(CR D-2688)*

3172.Sh. Dinesh Ji Jain, 16 Raksha Enclave, Sector Omega-I, Near Prakash Institute, Greater Noida-301210 (UP) *(CR D-2701)*

3173.Sh. Vijay Kumar Vimal Chand Ji Jain, Plot No. 156, Ward 12C, Lilashah Nagar, Gandhidham, Kutch-370201 *(CR D-2702)*

3174.Sh. Deepak Ji Jain S/o Sh. Vimal Chand Jain (Karai Wale), E-117, Ranjit Nagar, Bharatpur-321001 *(CR D-2703)*

3175.Sh. Daulat Ram Ji Jain, Sector 6, C House No. 365, Awas Vikas Colony, Sikandra Bodla Road, Agra-282007 (UP) *(CR D-2709)*

3176.Sh. Narendra Kumar Ji Jain S/o Sh. Phool Chand Jain, Sangam Vihar Colony, Behind Shyam Mandir, Shyam Nagar, Dausa-303303, Mob.: 9414485946 *(CR D-2710)*

विधवा सहायता

★ **श्री छगनलाल जी जैन शाह** (हरसाना वाले), फ्लैट नंबर 308, टावर 3, अपना घर, शालीमार एक्सटेंशन, अलवर ने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती प्रेम कुमारी जैन का देवलोक गमन दिनांक 11 जनवरी 2022 को हो जाने पर उनकी पुण्य स्मृति में विधवा सहायता हेतु रु. 1100/- सप्रेम भेंट किये। *(र.सं. 2711)*

★ **श्री अमीर चन्द जी जैन** (सेवानिवृत्त आर.ए.एस.), नहर रोड, गंगापुर सिटी ने अपने जन्मदिन के उपलक्ष पर विधवा सहायता हेतु रु. 24,000/- सप्रेम भेंट किये। *(र.सं. 4931)*

★ **श्री प्रतीक कुमार जी जैन** पुत्र श्री गिरीश कुमार जैन (अधिशाषी अभियन्ता), 6/338, एस.एफ.एस. मानसरोवर, जयपुर ने विधवा सहायता हेतु रु. 12000/- सप्रेम भेंट किये। *(र.सं. 4932)*

महासभा सदस्यता

1. **श्री सौरभ जी जैन** पुत्र श्री देवेश कुमार जैन, ग्राम व पोस्ट मिढाकुर, मैन मार्केट, जिला आगरा-283105 (उ.प्र.) *(र.सं. 4929)*

पत्रिका सहायता

★ **श्री अनिल कुमार जी जैन** (रेलवे), ए-109, वैशाली नगर, जयपुर ने अपनी पूजनीय माताजी श्रीमती ललिता देवी जी जैन धर्मपत्नी स्व. श्री पदम चन्द जी जैन के दिनांक 15.01.2022 को स्वर्गवास होने पर उनकी पुण्य स्मृति में पत्रिका सहायता हेतु रु. 2100/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. डी-2683)*

★ **श्री अजीत कुमार जी जैन** (नायब तहसीलदार) निवासी वर्धमान नगर ने अपने सुपुत्र चि. अमन जैन संग सौ. आस्था जैन सुपुत्री श्री जगदीश जैन निवासी गंगापुरसिटी के दिनांक 05.02.2022 को संपन्न शुभ विवाहोपलक्ष पर रु. 1100/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. डी-2690)*

★ **श्री छगनलाल जी जैन शाह** (हरसाना वाले), फ्लैट नंबर 308, टावर 3, अपना घर, शालीमार एक्सटेंशन, अलवर ने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती प्रेम कुमारी जैन का देवलोक गमन दिनांक 11 जनवरी 2022 को हो जाने पर उनकी पुण्य स्मृति में पत्रिका सहायता हेतु रु. 500/- सप्रेम भेंट किये। *(र.सं. डी-2708)*

★ **श्रीमती भुवनेश जी जैन एवं श्री बाबूलाल जी जैन,** 13, इन्दिरा कॉलोनी, शाहगंज, आगरा ने अपने सुपुत्र चि. सिद्धार्थ जैन संग सौ.कां. निताशा जैन सुपुत्री स्व. श्रीमती सुनीता जैन एवं श्री राजेश कुमार जैन निवासी शिवपुरी (म.प्र.) के दिनांक 16.02.2022 को संपन्न शुभ विवाहोपलक्ष पर पत्रिका सहायता हेतु रु. 1100/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. डी-2694)*

महासभा सहायता

★ **श्रीमती भुवनेश जी जैन एवं श्री बाबूलाल जी जैन,** 13, इन्दिरा कॉलोनी, शाहगंज, आगरा ने अपने सुपुत्र चि. सिद्धार्थ जैन संग सौ.कां. निताशा जैन सुपुत्री स्व. श्रीमती सुनीता जैन एवं श्री राजेश कुमार जैन निवासी शिवपुरी (म.प्र.) के दिनांक 16.02.2022 को संपन्न शुभ विवाहोपलक्ष पर महासभा सहायता हेतु रु. 1100/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. 4930)*

पत्रिका विज्ञापन सहयोग राशि

** संशोधित दरें दिनांक 25.01.2022 से लागू*

	वार्षिक	मासिक
कवर पृष्ठ अंतिम (मल्टीकलर)	31,000/-	
कवर पृष्ठ द्वितीय (मल्टीकलर)	25,000/-	
कवर पृष्ठ तृतीय (मल्टीकलर)	25,000/-	
कलर पृष्ठ (मल्टीकलर)	21,000/-	3,000/-
पुण्य स्मृति आधा पृष्ठ श्वेत श्याम	10,000/-	1,000/-
पुण्य स्मृति पूरा पृष्ठ श्वेत श्याम	15,000/-	1,500/-

पत्रिका सदस्यता

पत्रिका वार्षिक शुल्क	50/-	5/-
पत्रिका आजीवन सदस्य	500/-	
पत्रिका संरक्षक सदस्य	11,000/-	
पत्रिका हितैशी सदस्य	5100/-	

सूचना

(अ) रु. 500/- से कम के आर्थिक सहयोग राशि वालों के नाम पत्रिका में प्रकाशित नहीं किये जायेंगे।

(ब) जो सदस्य अपनी पत्रिका कोरियर द्वारा प्राप्त करना चाहते हैं वह रु. 50/- प्रति माह के हिसाब से एक वर्ष का शुल्क रु. 600/- श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका को भेजें।

- ***पत्रिका हेतु प्रकाशनार्थ सामग्री पत्रिका संयोजक/सम्पादक के पास ही प्रेषित करें, जो प्रत्येक माह की 15 तारीख तक प्राप्त होनी चाहिये।***
- *पत्रिका हेतु सदस्यता शुल्क/विशेष सहायता संयोजक के पास प्रेषित करें।*
- *पत्रिका में स्थान उपलब्ध होने पर ही विज्ञापन का प्रकाशन किया जायेगा।*
- *गत वर्ष के रंगीन विज्ञापनदाताओं की बकाया विज्ञापन सहयोग राशि शीघ्र संयोजक के पास भिजवाने का कष्ट करें।*

आप पत्रिका की भुगतान राशि 'श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका' के नाम से या ऑनलाईन खाते में भी भेज सकते हैं, विवरण निम्न है :-

"SHRI PALLIWAL JAIN PATRIKA"
Bank Name : **BANK OF BARODA** • Branch : **DURGAPURA, JAIPUR**
A/c No.: **38260100005783** • IFSC Code : **BARB0DURJAI**

पत्रिका राशि ऑनलाईन जमा कराने के बाद संयोजक को सूचना देवें एवं ट्रांसफर राशि का स्क्रीन शॉट भी भेजें, इसके अभाव में जमा राशि का समायोजन किया जाना संभव नहीं होगा।

चन्द्रशेखर जैन, संयोजक पत्रिका
मो.: 9829134926

मान्यवर,

सभी साधर्मी बन्धुओं को सुचित किया जाता है कि अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा को विधवा सहायता एवं अन्य सहयोग प्रदान करने हेतु राशि चैक, नकद या ऑनलाईन महासभा के खाते में जमा करवाई जा सकती है, जिसका विवरण निम्न है :-

"AKHIL BHARTIYA PALLIWAL JAIN MAHASABHA"
Bank Name : **STATE BANK OF INDIA** • Branch : **C-SCHEME, JAIPUR**
A/c No.: **51003656062** • IFSC Code : **SBIN0031361**

राशि जमा कराने के पश्चात अर्थमंत्री को अवश्य सूचित करें, जिससे जमा की रसीद प्रेषित की जा सके।

अजीत कुमार जैन, अर्थमंत्री महासभा
मो.: 9413272178

सप्तम् पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्रीमती शशी जी जैन (प्रीती)

(13.07.1965 - 22.03.2015)

आपका स्नेह, सद्व्यवहार, सेवा भावना एवं
प्रेरणादायक चरित्र हमारा सदैव मार्गदर्शन करता रहेगा।
हम सभी आपको शत्-शत् नमन करते हुए अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

पवन कुमार जैन (पति)

एवं समस्त अठवर्षिया परिवार (धनौली वाले)

टीकम चन्द-उर्मिला जैन *(ससुर-सास)*
अशोक-आशा *(जेठ-जेठानी)*
अतुल-अंजू *(देवर-देवरानी)*
मंजू-गिरीश *(ननद-ननदोई)*
पारूल-अंकित *(पुत्री-दामाद)*
प्रगति-आयुष *(पुत्री-दामाद)*
अभिषेक *(पुत्र)*
गौरव-सौम्या *(भतीजा-भतीजा बहु)*
शिल्पी-विशाल *(भतीजी-भतीजी दामाद)*
नेहा-विपिन *(भतीजी-भतीजी दामाद)*
आशी *(भतीजी)*
अव्यान, रेयान *(दोहेते)*

जगन प्रसाद-मिथलेश *(चाचा ससुर-सास)*
किशनचन्द-राजरानी *(चाचा ससुर-सास)*
महावीर प्रसाद-शान्ती *(पिताजी-माताजी)*
विमल-राज *(चाचा-चाची)*
निर्मला *(चाची)*
राजीव (आर.ए.एस.)-मीनू *(भाई-भाभी)*
मनीष-अनामिका *(भाई-भाभी)*
अमित-छवि *(भाई-भाभी)*
विवेक, सिद्धार्थ, प्रज्ञा *(भतीजे, भतीजी)*

निवास :

बी-37, वैशाली नगर, जयपुर, 9413621783, 0141-2357984, 9413748734

प्रथम पुण्यतिथि
भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्रीमती इंद्रा जी (सरोज) जैन

(जन्म 08.12.1942 - स्वर्गवास : 08.02.2021)

हम सभी परिवार जन अश्रुपूरित नेत्रों से श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं।
आपका सद्व्यवहार, सेवा भावना एवं प्रेरणादायक चरित्र
हमारा सदैव मार्गदर्शन करता रहेगा।

श्रद्धावनत

डॉ. जय प्रकाश जैन *(पति)*
(केन्द्रीय कार्यकारिणी सदस्य, मथुरा)
विपिन-अर्चना *(पुत्र-पुत्रवधु)*
विनीता-डॉ. चंद्रशेखर जैन *(पुत्री-दामाद)*
कविता-ब्रजेश अग्रवाल *(पुत्री-दामाद)*
राखी-जितेंद्र जैन *(पुत्री-दामाद)*
श्वेता-स्व. संदीप जैन *(पुत्री-दामाद)*
आकांक्षा, विभूति *(पौत्री)*
मथुरा, मो.: 9997570006

भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्रीमती ललिता देवी जी जैन

(धर्मपत्नी स्व. श्री पदम चन्द जी जैन (नांगल-सहाड़ी वाले)

(जन्मतिथि : 05.10.1940 *(पुण्यतिथि : 15.01.2022)*

आपका स्नेह, सद्व्यवहार, धर्मपरायणता, सेवा भावना एवं प्रेरणादयक चरित्र
सदैव हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा।
हम सभी आपको शत् शत् नमन करते हुये अश्रुपूरित श्रद्धान्जलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु :
अनिल कुमार (रेलवे)-निशा जैन

पौत्र-पौत्रवधु :
सी.ए. कुशल जैन-सी.ए. मोनिका जैन
सी.ए. धवल जैन

पड़पौत्र :
रेयांश जैन

देवर-देवरानी :
महावीर प्रसाद-अंगुरी देवी
सुरेश चंद-शारदा देवी
सुशीला देवी
रामदेई

पुत्री-दामाद :
कमलेश-पारस जी
मिथलेश-केशव जी
पुनिता-अनिल जी
ममता-मुकेश जी
कविता-सन्तोष जी

फर्म : जैन फ्लोर मिल एवं मसाला उद्योग
वैशाली नगर, जयपुर

निवास
ए-109, वैशाली नगर, जयपुर, मो.: 9314653717, 9001199117

सूचना

1. पत्रिका में प्रकाशित वर/वधू की तलाश के अंतर्गत विवरण की सत्यता से सम्पादक अथवा पत्रिका का किसी भी प्रकार का दायित्व नहीं हैं। वर/वधू दोनों पक्ष पूर्ण जानकारी अपने स्तर से करने के बाद ही संबंध स्थापित करें।
2. पात्रों के विवरण में आयु के स्थान पर जन्मतिथि तथा आय चार/पांच अंको में, के स्थान पर वास्तविक आय लिखें।

नोट : प्रकाशन योग्य सामग्री एवं संबंध होने की सूचना पत्रिका संयोजक को प्रषित करें जिससे आगामी अंक में विज्ञापन का प्रकाशन किया जाये या न किया जाये।

वर की तलाश

★ **प्रतिभा जैन** पुत्री श्री प्रदीप कुमार जैन, जन्मतिथि 11.10.1995 (प्रातः 03:25 बजे, जयपुर), शिक्षा- बी.टेक, कार्यरत- मर्चेंटनेवी, गोत्र : स्वयं- कोटिया, मामा- माईमुण्डा, सम्पर्क : 9414386658, 9460723972 *(दिसम्बर)*

★ **हितेक्षा जैन** पुत्री श्री निर्दोष कुमार जैन, जन्मतिथि 23.01.1997 (प्रातः 05:50 बजे, अजमेर), शिक्षा- डबल एम.कॉम., गोत्र : स्वयं- गंगेरीवाल, मामा- खैर, सम्पर्क : अशोक नगर, नारीशाला रोड, अजमेर, मो.: 9251002206, 9413824268 *(जनवरी)*

★ **चित्राक्षी जैन** पुत्री श्री पदम चंद जैन, जन्मतिथि 15.09.1992 (प्रातः 3.15, अलवर), कद 5'-6'', शिक्षा- एम.टेक. (कम्प्यूटर साईंस), गौत्र : स्वयं- अठवरसिया , मामा- चौधरी, सम्पर्क : 2-क -292, शिवाजी पार्क, अलवर (राज.), मो.: 9413048598 *(फरवरी)*

★ **Shanu Jain** D/o Sh. Rajesh Kumar Jain, DoB 25.01.1997 (at 11:45 PM, Mubarikpur, Alwar), Height- 5'-4", Education- B.Com , M.Com , Gotra : Self- Maimuda, Mama- Lohakarodia, Contact No. : 8696948674 (D.K. Jain), 9414017772 (B.K. Jain), 9413053875 (Rajesh K. Jain) *(Dec.)*

★ **Megha Jain** D/o Sh. Suresh Chand Jain, DoB 17.08.1995 (at 02:00 PM, Alwar), Height- 5'-2", Fair Complexion, Education- B.A., B.Ed., M.A., Gotra : Self- Athbarsia, Mama- Nagysaria, Contact : B-107, Ambedkar Nagar, Alwar, Mob.: 8003881979, 6376628420 *(Dec.)*

★ **Naincy Jain** D/o Sh. Shivdayal Jain, DoB 19.06.1992 (at Gwalior), Height- 5'-4", Education- BE (Computer Science), Pursuing MS in Artificial Intelligence, Job- Working in Airbus India Bangalore, Contact : 8989668259, 8989668258, Email : naincyjain999@gmail.com *(Jan.)*

★ **Diksha Jain** D/o Late Sh. Yogesh Jain, DoB 28.09.1994 (at 10:45 am, Jaipur), Height- 5'-3", Fair Complexion, Sober, Education : B.Com., MBA (HR and Marketing) R.A. Podar Institute of Management, Jaipur, Employment- Akeo Software Solutions Pvt. Ltd Jaipur - A global innovative technology driven company with offices at India & Norway. (HR Generalist) Annual CTC: 4.2 Lakh, Gotra : Self- Danduria, Mama- Barwasiya, Contact : Anita Jain, 86, Magan Villa, Shreevihar Colony, JLN Marg, Jaipur-302018, Mob.: 9829134926, 8560826019, 9828058599, Email: csjain30@yahoo.co.in *(Jan.)*

★ **Pooja Jain** (Manglik) D/o Sh. Satish Kumar Jain, DoB 22.03.1996 (at 5:00 pm, Kota), Height- 5'-2", Education- M.A., D.EL.E.D. (BSTC), Gotra : Self- Nageshwariya, Mama- Chodbambar, Contact : C/o Deepak Sr. Sec. School, Shivpura, Kota- 324009, Mob.: 9414317362, 9414936428 *(Jan.)*

★ **Kavita Jain** D/o Sh. Sheetal Prasad Jain, DoB 06.05.1995 (at 7:25 am, Hindaun City), Height- 5'-5", Education- B.Tech (Electronics & Communications), Job- Presently Working S.O. in ICICI Bank Lalsot (Dausa), Gotra : Self- Athbarsiya, Mama-Baronia, Contact : 86, Vrindavan Vihar, Khaniya, Agra Road, Jaipur, Mob.: 9887821975, 8769485510 *(Jan.)*

★ **Priyanka Jain** D/o Sh. Lokesh Kumar Jain, DoB 28.05.1996 (at 10:00 am, Alwar), Height- 155 cms., Fair Complexion, Education- MBA, Gotra: Self- Chowdbambar, Mama- Kotiya, Contact : Jain Petrol Pump, Alwar Road, Lacchmangarh, Mob.: 9414812360, 9887354080, Email : nitesh19jain@gmail.com *(Jan.)*

★ **Vidhi Jain** (Anshik Manglik) D/o Sh. Anil Jain, DoB 02.11.1993 (7:40 am, Jaipur), Height 5'-1", Smart and Wheatish, Education- B.E. (EC) Indore, Working in Hexaware at Pune, Package- 18.25 LPA, Gotra : Self- Chandpuria, Mama- Nangeswariya, Contact : Sh. Anil Kumar Jain, Mob.: 9926063720 *(Feb.)*

★ **Shefali Jain** D/o Sh. Sunil Kumar Jain, DoB 11.08.1994, (at 10:20 pm, Agra), Height- 5'-7",

Fair Complexion, Education- B.Tech (CS), Occupation- Software Engineer, Gotra : Self- Barwasiya, Mama- Gwalriya, Contact : Plot No. 6, Bodla, Bichpuri Road, Agra, Mob.: 9897454782, 9259222342 *(Feb.)*

★ **Shradha Jain** D/o Late Sh. Ashok Jain, DoB 23.05.1994 (at 00:30 am, Alwar), Height 5'-4", Education- M.Sc. (Chemistry), B.Ed.(Teacher in a reputed school in Alwar), Contact : A-46 Arya Nagar, Alwar-301001, Mob: 9530243608, 9460309548 *(Feb.)*

★ **Sonali Jain** D/o Sh. Rajkumar Jain, DoB 06.04.1999 (at 11:55 pm, Agra), Height- 5'-2", Education- M.Com., Gotra : Self- Maleshwari, Mama- Kotiya, Contact : 37/470, Nagla Padi, New Agra-282005 (U.P.), Mob.: 7520244499 (Whatsapp), 9412811825, Email : yatish.jain1008@gmail.com *(Feb.)*

★ **Vidhi Jain** D/o Sh. Satish Chand Jain, DoB 16.12.1994, Height 5'-4", Fair Complexion, Education- CA (First Attempt), CIA (USA), Working in Tata Capital Ltd., Mumbai, Package- 13.50 LPA, Gotra : Self- Rajoriya, Mama- Baroliya, Contact : A-603, Sonam Daffodil, Golden Nest Phase 2, Mira-Bhay Road, Bhayandar (East), Mumbai, Mob.: 8779967870, 8097672702, Email : satishjaind@gmail.com *(Feb.)*

★ **Riya Jain** D/o Sh. Shital Prasad Jain, DoB 05.09.1995 (at 5:02 p.m., Alwar), Height 5'-6", Education- B.Sc. (H) Chemistry, M.Sc. Chemistry (Hindu College,DU), B.Ed., Working at- Vedantu Innovations Pvt. Ltd. (Noida), Gotra : Sangarwasia, Contact : Raj Nagar Part-2, Palam Colony, New Delhi, Mob.: 9560649574, 9899076686 *(Feb.)*

★ **Shipra Jain** D/o Sh. Narendra Kumar Jain, DoB 23.03.1992 (at 12:30 am, Alwar), Height- 5'-4", Education- B.Com., JBT, M.Sc., MCA, Working in Bank, Gotra : Self- Balanwasia, Mama- Badaria, Contact : 215/3, Gopal Nagar, Gurgaon (Haryana), Email : nkjain1012@yahoo.com *(Feb.)*

★ **Neha Jain** D/o Sh. Padam Jain, DoB 10.08.1993 (Morar, Gwalior), Height- 5'-4", Fair Color and Smart, Education- M.Com., B.Ed., CPCT, PGDCA (Computert Diploma), Gotra : Self- Chombra, Mama- Salwadya, Contact : D-3, Hariom Colony, 7 No. Choraha, Mob.: 8109962448, 8962208384 *(Feb.)*

★ **Khyati Jain** (Manglik) D/o Sh. Pramod Kumar Jain, DoB 10.02.1994 (at 7:05 am), Height- 5'-2", Education- B.Sc., Diploma of Ueban Planning Development (UPD) B.T.C. & UP Tat, Gotra : Self- Chorbambar, Mama- Batoniya, Contact : 32D/12A, New Abadi, Rashmi Nagar, Mugal Road, Kamla Nagar, Agra, Mob.: 94116845669, 8279988481 *(Feb.)*

★ **Harshita Jain** D/o Sh. Vijay Kumar Jain, DoB 16.11.2000 (at 4:45 am, Bikaner), Height- 5'-8", Education- B.Com., Gotra : Self- Rajoriya, Mama- Bhatyariya, Contact : 16/538, Chopasani Housing Board, Jodhpur-342008, Mob.: 9413649165, 8107593346, Email : prakshaljain27@gmail.com *(Feb.)*

वधू की तलाश

कृपया दहेज लोभी पत्रिका में प्रकाशनार्थ विज्ञापन न भेजें

★ **प्रखर जैन** (मांगलिक) सुपुत्र श्री मनोज कुमार जैन, जन्मतिथि 19.02.1994 (प्रातः 00:35), कद 5'-8'', शिक्षा- बी.बी.ए., एम.बी.ए. मार्केटिंग, व्यवसाय- ट्रवलिंग एण्ड ट्यूर्स, आय- 15 लाख प्रति वर्ष, गोत्र : स्वयं- जनुथरिया, मामा- मालेश्वरी, सम्पर्क : डी-127, फर्स्ट फ्लोर, झिलमिल कॉलोनी, नई दिल्ली, मो.: 9810009822, 9910009822, ईमेल : prakhar@travel voyagers.com *(दिसम्बर)*

★ **अरूण जैन** पुत्र श्री सुरेश चन्द जैन (पहाड़ी वाले भरतपुर), जन्मतिथि 14.02.1996 (प्रातः 9:41 बजे), कद- 5'-6'', शिक्षा- सीनियर सैकेण्डरी व डिप्लोमा इन मेडिकल लेब्रोट्रिज, कार्यरत- स्वयं लेब्रोट्रीज कार्य 'पार्श्व डाइग्नोस्टिक सेन्टर', गौत्र : स्वयं- बडवासिया, मामा- चौधरी, सम्पर्क : 11, श्रीनाथ नगर, श्योपुर, सांगानेर, जयपुर, मो.: 9829226665, 9166330088, 8058345473 *(दिसम्बर)*

★ **शुभम जैन** पुत्र श्री अशोक कुमार जैन, जन्मतिथि 08.07.1993 (सायं 05.48 बजे), कद- 5'-6'', शिक्षा- बी.कॉम., एम.कॉम., एल.एल.बी, गोत्र- स्वयं- आमेश्वरी, मामा - चौधरी, सम्पर्क : जैन मोहल्ला, जैन मंदिर के पास, रामगढ़, अलवर, मो.: 9829250444, 9024083810, 8058576724 *(जनवरी)*

★ **आयुष जैन** पुत्र श्री अजीत कुमार जैन, जन्मतिथि 26.01.1993 (प्रातः 7.15 बजे), कद- 5'-4'', शिक्षा- बी.टेक., जॉब- व्यापार, गोत्र : स्वयं- आमेश्वरी, मामा-

कोटिया, सम्पर्क : 4, सिविल लाइन, नियर गोपाल टॉकीज, अलवर, मो.: 8058576724 *(जनवरी)*

★ **कृष्ण कुमार जैन** पुत्र श्री पदम चंद जैन, जन्मतिथि 14.09.1991 (प्रातः 1.00 बजे, अलवर), कद 5'-8'', शिक्षा- बी.टेक. (कम्प्यूटर साईंस), व्यवसाय- जुनियर एसोसिएट, एस.बी.आई. अलवर, गौत्र : स्वयं- अठवरसिया, मामा- चौधरी, सम्पर्क : 2-क -292, शिवाजी पार्क, अलवर (राज.), मो.: 9413048598 *(फरवरी)*

★ **शुभम जैन** पुत्र श्री राकेश कुमार जैन, जन्ततिथि 11.03.1996 (प्रातः 6:20, मंडावर), कद- 5'-5'', शिक्षा- बी.ए., राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, व्यवसाय- जरी गोटा होलसेल ट्रेडिंग, आय- 6 अंकों में प्रति माह, गोत्र : स्वयं- कोटिया, मामा- वारंगडगिया, सम्पर्क : 77/167, अरावली मार्ग, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर, मो.: 9460707058, 9414067972 *(फरवरी)*

★ **नितिन जैन** पुत्र श्री सुभाष चन्द्र जैन, जन्ततिथि 24.08.1993, कद- 5'-10'', शिक्षा- सी.ए., व्यवसाय- आई.सी.आई.सी.आई. लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेन्स, आय- 15 लाख वार्षिक, गोत्र : स्वयं- नंगेश्वरिया, मामा- बोरडगियां, सम्पर्क : 7, गणेश कॉलोनी, झोटवाड़ा, मो.: *9460552620, 9887202583 (फरवरी)*

★ **रिषभ जैन** पुत्र श्री प्रदीप कुमार जैन, जन्ततिथि 13.05.1995 (प्रातः 6 बजे, ब्यावर अजमेर), कद- 5'-6'', शिक्षा- बी.कॉम., पी.जी.डी.बी.ए., व्यवसाय- फाईनेन्स, कार्यरत- रिजनल क्रेडिट हेड आई.डी.एफ.सी. बैंक, जयपुर-अजमेर, आय- 6.5 लाख वार्षिक, गोत्र : स्वयं- जनुथरिया, मामा- चौरबम्बार, सम्पर्क : *9460312001 (फरवरी)*

★ **Aditya Jain** S/o Sh. A.K. Jain, DoB 15.07.1984 (at 7:40 a.m), Height- 5'-5", Dy. GM (Adani Power Mumbai), Gotra : Ambia, Package- 25 LPA (Widower, 9 yrs. male child) want litrate bride, Divorced, Issueless / Widow Issuless, Contact No.: 7023479787, 8104681071 *(Dec.)*

★ **CA Akhlesh Jain** S/o Sh. Mahesh Chand Jain, DoB 29.11.1989, Height 5'-7", Chartered Accountants & M.Com, Gotra : Self-Chorbhambar, Mama- Aameshwariya, Working in Airports Authority of India, (PSU under Central Government), New Delhi, CTC- above 15 LPA, Contact No.: 9461210084, Jaipur *(Dec.)*

★ **CA Gaurav Jain** S/o Sh. Padam Chand Jain, DoB 25.05.1995 (at 9:22 PM Kherli, Alwar), Height- 5'-11", Education- Chartered Accountant, Occupation- Mgmt. Trainee, Genpact, Gurugram, Income- 8 LPA, Gotra : Self- Salavadiya, Mama- Chaudhary, Contact : 92-F1, Arjun Nagar North, Jaipur, Mob.: 9414856933, 9468598216 *(Dec.)*

★ **Priyakansh Jain** S/o Late Sh. Pradeep Kumar Jain, DoB 15.01.1993 (at 07:30 AM), Height- 5'-11", Education B.A., LL.B. (Five years law Course), Working as Asstt. Legal Manager, Aavas Financiers Ltd, Jaipur, Package Rs. 6 Lacs approx., Gotra : Self- Badwasia, Mama- Kotia, Contact : Mrs. Pramod Jain (Mother), 3, Civil Lines, Alwar, Mob.: 7742705601 *(Dec.)*

★ **Akansh Jain,** DoB 20.05.1992 (at 6:00 AM, Vidisha), Education- M.Tech (Structural Engineering), HOD in Civil Engg, ITM Gwalior, Gotra : Mahila, Contact : Sh. Satish Jain C/o Deepak Automobiles, Jinsi Nala No.1, Gwalior (M.P.), Mob.: 9479966904 *(Dec.)*

★ **Bhupesh Kumar Jain** S/o Shri Vimal Chand Jain, DoB 17.09.1991 (at 4:55 am, Alwar), Height- 5'-8", Education : B.Tech (ECE), RS-CIT, Job- Senior Associate in SBI Bank Bhavnagar Gujarat, Gotra : Self- Mastang Dangiya Chaudhary, Mama- Baroliya, Contact : VPO-Barodakan, Laxmangarh, Distt. Alwar-321607, Mob.: 9413585389, 9079754722 *(Dec.)*

★ **Rahul Jain (Sohit)** S/o Sh. Rakesh Kumar Jain, DoB 29.01.1992 (at 2:10 pm, Kherli), Height- 5'-8", Education- B.A., M.A., Occuption- City Incharge in Dainik Navjyoti Press, Udaipur & News Paper Contractor in Rajasthan Patrika Press, Banswara, Income- 7.5 LPA, Gotra : Self- Vaidh Bhagor, Mama- Rajoriya, Contact : Ward No. 5, Kajodi Ka Mohalla, Kherli, Alwar, Mob.: 9413026896, Email : rahuljainkarie@gmail.com *(Dec.)*

★ **Agam Jain** S/o Sh. Pramod Kumar Jain, DoB 15.03.1992 (at 6:15 PM, Alwar), Height- 5'-10", Education- B.Sc. (University of Delhi), MS(IT) (VIT, Vellore), Occupation- Software Engineer in Salesforce (Hyderabad), Salary- 20+ LPA, Contact No.: 9911499282 *(Dec.)*

★ **Nakul Jain** S/o Sh. Vinit Jain, DoB 13.06.1994 (at 4:40PM, Palam), Education : B.Com. from Dr. Bhimrao Ambedkar University, Advance Diploma in French Language, B1 Level in French Language from Alliance Francaisede Delhi, Currently Working with AXA Business Services,

French, Current CTC- 7.5 LPA, Gotra : Janutharia, Contact : Hotel GN Palace, Paras Bhavan, Bodla, Loha Mandi Road, Bodla, Agra-282007, Mob.: 8218344520, 8077805858 *(Dec.)*

★ **Shubham Jain** S/o Sh. Sanjay Kumar Jain, DoB 22.10.1993 (at 05:20 PM, Agra), Height- 5'-4.5", Education- BCA PIMR, Indore, MCANIT (Suratkal), Karnataka, Occupation- Works as Data Analyst in Citicorp Services India Pvt. Ltd.Chennai, Gotra : Self- Bhattariya, Mama- Niyodhi, Contact : 7983910563, 7983835118, Email : jainsanjay2551967@gmail.com, jainshubh22@gmail.com *(Dec.)*

★ **Rajat Jain** S/o Sh. Rakesh Kumar Jain, DoB 02.11.1992 (at 02:10 PM, Mathura), Height- 5'-8", Education- B.Tech. in Computer Science from B.B.D. University, Lucknow, Occupation- Working an Adobe (MNC) in Noida, Package- 5 LPA, Gotra : Self- Chaurbambar, Mama- Maimuda, Contact : H.No. 133, Dalpat Street, Koyla Wali Gali, Holi Gate, Mathura, Mob.: 9058485772, 9634353924 *(Dec.)*

★ **Abhishek Jain** S/o Late Sh. Devender Kumar Jain, DoB 21.09.1993 (at 12:55 PM, Alwar), Height- 5'-10", Education- B.Tech. (EC), Occupation- Presently Working in Havells, Alwar, Gotra : Self- Maleshwari, Mama- Chorambaar, Contact : Plot No. 205, Scheme No. 1, Arya Nagar, Alwar, Mob.: 8000669150, Email : abhijain2109@gmail.com *(Dec.)*

★ **Shubham Jain** S/o Sh. Upendra Kumar Jain, DoB 01.03.1995, Education- B.Com., M.B.A., Occupation- Working in H.D.F.C. Bank, Alwar, Package- 5 Lakhs, Gotra : Self- Chodbambar, Mama- Rajoriya, Contact : C-408, Manglam Residency, Itarana Chauraha, Alwar, Mob.: 6350158479 *(Dec.)*

★ **Shrey Jain** S/o Sh. Manjeet Jain, DoB 20.04.1995 (at 12:20 pm, Agra), Height- 5'-7", Education- M.B.A. (NMIMS), B.Tech (UPES), Occupation- Businessman (M/S Bishamber Nath Manjeet Jain), Gotra : Self- Bhadwasiya, Mama- Naagar, Contact : 112, Jaipur House, Agra, Mob.: 9359906702 *(Dec.)*

★ **Sheetal Kumar Jain** S/o Late Sh. Prakash Chand Jain, DoB 15.11.1992, Height- 5'-5", Education- M.Com., Occupation- Senior Executive (AU Small Finance Bank), Gotra : Self- Kotiya, Mama- Chiliya, Contact : Nehar Road, Infront of Rewa Mill, Gangapur City, Sawai Madhopur, Mob.: 8385836241, Email : jsheetal689@gmail.com *(Dec.)*

★ **Sanket Jain** S/o Sh. Abhinandan Kumar Jain, DoB 01.01.1991 (at 5:35 am, Hindaun City), Height- 5'-10", Education- B.Com. (University of Rajasthan), PG (Theatre Arts) Mumbai University, Occupation- Assistant Professor (MIT University Pune, Drama Department), National Level NGO (Adhaytma Natya Academy), Gotra : Self- Rajoria, Mama- Salavadiya, Contact : B-1, Mohan Nagar, Behind HP Petrol Pump, Hindaun City, Dist. Karauli-322230, Mob.: 9414034309, 8890320317 *(Dec.)*

★ **Abhishek Jain** S/o Sh. Vinod Kumar Jain, DoB 22.07.1992 (at Agra), Height : 5'-5", Education - M.Com, Occupation- Working as Sr. Accountant with Taj Vilas in Agra and drawing 3+ LPA, Gotra : Self- Januthariya, Mama- Baebare, Contact : 37/472, Nagla Padi, Dayal Bagh, Agra, Mob.: 9219219655, 7906973116 *(Jan.)*

★ **Prayansh Jain** S/o Sh. Prakash Chand Jain, DoB 27.02.94 (at 8:10 PM, Alwar), Height 5'-8", Education- B.Tech. (JECRC Jaipur), Occupation- IT Analyst in Tata Consultancy Services, New Delhi, Package- 10.5 LPA, Gotra : Self- Nageshwaria, Mama- Badwasia, Contact : Sh. Prakash Chand Jain, Jain Tyres, 9, Bapu Bazar, Alwar. Mob.: 9829215414, 8005549651 *(Jan.)*

★ **Shubham Jain** S/o Sh. Rajesh Kumar Jain, DoB 29.06.1994 (at 9:20 am, Jaipur), Height : 5'-6", Education- BE (MBM) Jodhpur, MS (IIT Guhati), Job- Research Analyst, Gist Advisory, Mumbai, Gotra : Self- Salavadia, Mama- Barolia, Contact : 202-A, Jagdamba Nagar, Heerapura, Jaipur, Mob.: 9413349336, 7357714499 *(Jan.)*

★ **Dikshant Jain** S/o Sh. Alok Jain, DoB 07.01.1994 (at 06.10 p.m., Jaipur), Height- 6'-1", Education- B.Com, L.L.B, D.T.L. (University of Rajasthan), Job/Profession- Advocate, Gotra : Self- Vairashtak, Mama- Barwasiya, Contact : 14, Ganga Path, Suraj Nagar (West), Civil Lines, Jaipur, Mob.: 9828115123, 9828012523, Email : alokad67@rediffmail.com *(Jan.)*

★ **Himanshu Jain** S/o Sh. Sanjay Jain, DoB 04.06.1994 (at 11:10 A.M., Jaipur), Height- 5'-7", Education- B.E. (E&C) from JECRC, Jaipur, Occupation- Family Business (S.R. Enterprises, C&F Agent & Super Distributor for Various Diagnostics & Health Care Companies), Gotra :

Self- Barolia, Mama- Rajeshwari, Contact : B-18 & 19, Jai Jawan Colony Scheme No. 1st, Opp. Sanghi Farm, Tonk Road, Jaipur-3020018, Mob.: 9829012628, Ph.: 0141-4026021, Email : srindiaentp@yahoo.com *(Jan.)*

★ **Rohit Jain** S/o Late Sh. Pramod Jain, DoB 28.03.1994 (at 11:50 pm, Lacchmangarh, Alwar), Height- 172 cms., Education- B.Tech (Govt College, Udaipur), Job- Software Engineer (Metacube Software, Jaipur), Gotra : Self- Chowdbambar, Mama- Salawadia, Contact : Jain Petrol Pump, Alwar Road, Lacchmangarh, Mob.: 6350160386, Email : rohit1994jain@gmail.com *(Jan.)*

★ **Varun Jain** S/o Sh. Pradeep Jain, DoB 08.01.1990 (at 08:08 AM, Desuri, Pali District), Height- 5'-4", Education- B.A., LL.B. (Hons.), LL.M., Job- Assistant Manager, Corporate Legal AU Bank, Jaipur, Gotra: Maleshwari, Contact : 35, Veer Vihar, Queens Road, Vaishali Nagar, Jaipur- 302021, Mob.: 8003847897, Email : jain.varunnn@gmail.com *(Jan.)*

★ **Shrayansh Jain** S/o Late Sh. Sunil Jain, DoB 06.01.1994 (at 11:15 AM, Kherli Ganj, Alwar), Height- 5'-11", Education- Bachelor in Computers Application, Job- Sr. Assistant, Board of Revenue Ajmer, Gotra: Self- Nagaswaria, Mama- Chodhambar, Contact : Kiran Villa, Near Mathur Bhatta, Topdara, Ajmer, Mob.: 9649511008, 9413781308, 9460355313 *(Jan.)*

★ **Chandra Prakash Jain** S/o Sh. Rajendra Kumar Jain, DoB 09.03.1987 (at 11:50 PM, Gwalior), Education- B.Com., ITI, Occupation- Business (Electrical Shop), Gotra: Self- Kotia, Mama- Maimuda, Contact : A-9, New Vivek Nagar, Behind Mela Ground, Thatipur, Gwalior, Mob.: 930999134, 9268731636, 7000626305 *(Jan.)*

★ **Vibhor Jain** S/o Late Sh. Sunil Kumar Jain, DoB 12.04.1992 (at 5:55 AM, Jaipur), Height- 5'-10", Education- M.Com., C.S., UGC Net, Job- Manager Accounts, Food Corporation of India, Package- 9 LPA, Gotra: Self- Belanvasia, Mama- Kotia, Contact : Smt. Rachna Jain, 104, Vardhman Nagar (B), Ajmer Road, Jaipur, Mob.: 9414681290 *(Jan.)*

★ **Abhishek Jain** S/o Sh. Arun Kumar Jain, DoB 20.11.1993 (at 11:45 AM, Jaipur), Height- 5'-10", Education- M.Com., MBA, Job- Presently Working Accenture, Noida, Gotra: Self- Rajnayak, Mama- Ledodia, Contact : 10/69, Swarn Path, Mansarovar, Jaipur-302020, Mob.: 9784498287 *(Jan.)*

★ **Ronak Jain** S/o Sh. Suresh Chand Jain, DoB 25.01.1994 (at 10:27 pm, Bhayandar, Mumbai), Height- 5'-8", Education- MBA in Finance, M.Com., B.Com., Job- Wealth Advisory in Edelweiss Broking Ltd., Mumbai, Gotra: Self- Rajoriya, Mama- Baderiya, Contact : A-305, Samriddhi Tower, Indralok Phase 8, Bhayandar (East), Mumbai-401105, Mob.: 9819391454, 9819327962, Email : rahul.jain902@gmail.com *(Jan.)*

★ **Nitish Jain** S/o Sh. Satish Chand Jain, DoB 01.12.1991 (at 06:30 pm, Gangapur City), Height- 5'-10", Education- B.Tech., LLB, LLM (Gold Medalist), Occupation- Advocate, Rajasthan High Court, Gotra: Self- Badheriya, Mama- Sengarvasiya, Contact : 18, Akhil Nagar, Behind EHCC Hospital, Near Jawahar Circle, Jaipur-302017, Mob.: 7742752012, 9772935324, 8384935700 *(Jan.)*

★ **Abhishek Jain** S/o Sh. Sh. Pradeep Jain, DoB 09.04.1989 (at 2:30 PM, Kota), Height 5'-11", Education- M.TECH. (Power System), University College of Engineering, Kota, Job- Export Engineer at Tesla Transformers (India) Limited, Bhopal, Contact : Behind Sarvodaya Convent School, Adarsh Colony, Kherli Phatak, Kota-324001, Mbo.: 8209471961, 9928888727, Email : neetajainkota1@gmail.com *(Jan.)*

★ **Ravi Jain** S/o Sh. Pradeep Jain, DoB 12.09.1986 (at 7:30 PM, Kota), Height- 5'-8", Education BE (Electrical), GyanVihar Engg College, Jaipur, Job- Engineer at Hind Power Construction Ltd. (managing Tonk, Kota, Jhalawar region), Income 7.5 LPA, Gotra : Self- Chaurbambar, Mama- Barediya, Contact : Behind Sarvodaya Convent School, Adarsh Colony, Kherli Phatak, Kota-324001, Mob.: 8209471961(whatsapp), 9928888727, Email : neetajainkota1@gmail.com *(Jan.)*

★ **Mayank Jain** S/o Sh. Subhash Chand Jain, DoB 12.10.1993 (at 11:17 PM, Naugaon, Alwar), Height- 5'-10", Education- B.Tech. in Electrical Engineering, Occupation- Senior Software Engineer in Bottom Line, Banglore, Salary- 19 LPA, Gotra : Self- Sripat, Mama- Kotiya, Contact : 8, Gupta Colony, Jawahar Nagar, Alwar-301001, Mob.: 9739748225, 6350393714, Email : jain.shashank3189@ gmail.com *(Jan.)*

★ **Rajesh Jain** S/o Sh. DalChand Jain, DoB 13.06.1993, Height- 5'-6", Education- MA, B.Ed., Occupation- PHED Department (Water Box), Income- 3-4 LPA, Gotra : Self- Gindorabakash, Mama- Dhati, Contact : Vasundhara Kutumb, Flat No. E-C-V-10, Main Tonk Road, Near Vatika, Bilwa, Jaipur-302022, Mob.: 9627416426, 8562868414, 8562848414 *(Jan.)*

★ **Ankit Jain** S/o Sh. Kuldeep Jain, DoB 18.12.1997 (at 8:55 am, Shri Mahaveerji), Height- 168 cms., Education- ITI Draftsman Civil Diploma Civil Engineering, Occupation- Larsen and Toubro, Civil Railway Track Pkg. (CTP-3R), Gotra : Self- Rajoriya, Mama- Nangesurya, Contact : B-76/C, Maruti Tanament Vastral Road, Odhav, Ahmedabad-382418, Mob.: 9638854354, 8320234250 *(Jan.)*

★ **Shubham Jain** S/o Sh. Sh. Ajay Kumar Jain, DoB 15.01.1995 (10:55 pm), Height- 5'-9", Education- Bachelor's in Commerce, Job- Working with SBI at Administrative Office, Jaipur, Income 8 LPA, Gotra : Self- Gindaudabaks, Mama- Chaudhary, Contact : D-15, Flat No. 101 & 102, Flora Apartments, Ganesh Marg, Bapu Nagar, Jaipur, Mob.: 9314130934, 9950371810, Email : anurag.jain1@hotmail.com *(Jan.)*

★ **Hritul Jain** S/o Sh. Raj Kumar Jain, DoB- 19.09.1993 (at 13:05 PM, Kota), Height 5'-7", Education- B.Tech. (Electrical Engineering), Occupation- Consultant in KPMG, Banglore, Package- 19 LPA, Gotra : Self- Dhati, Mama- Khair, Contact : 50/38, Rajat Path, Mansarovar, Jaipur, Mob.: 9887379710, 9079829868, Email : jainraj43@gmail.com *(Feb.)*

★ **Prashant Jain** S/o Sh. Subhash Chand Jain, DoB 18.09.1993 (at 08:05 AM, Kherli, Alwar), Height- 5'-10", Education- B.Tech (CS), PG Diploma (Advanced Computing), Occupation- Analyst Programmer, Fidelity International LTD. (FIL), Gurugram, CTC- Above 13 LPA, Gotra : Self- Bhadkolia, Mama- Chorbambar, Contact : 103/19, Patel Marg, Mansarovar, Jaipur, Mob.: 9414310994, 7014938851 *(Feb.)*

★ **Shubham Jain** S/o Sh. T.C. Jain, DoB 04.01.1994, Education- MCA, Job : Software Engineer at Neosoft Pune, Gotra : Self- Athvarsiya, Mama- Baderya, Contact : Patel Nagar Mhuna Mandi Road Jaipur, Mob.: 9001533497, 7014658129 252 *(Feb.)*

★ **Ankur Jain** (Anshik Manglik) S/o Sh. Ramesh Chand Jain, DoB 31.07.1989 (at 6:50 pm, Agra), Height- 5'-9", Education- Auto Eng. B.Tech (Mech.), M.Sc. (Phy.), B.Ed., Occupation- Sr. Executive Technical Surveyor, ICICI Lumbard General Insurance, Income- 5 LPA, Gotra : Self- Chaurbambar, Mama- Sengarwasia, Mob.: 9258065928, 9045216301 *(Feb.)*

★ **Abhishek Jain** S/o Sh.Ramesh Chand Jain, DoB 18.08.1990, Height- 5'-10", Education- MBA Marketing & HR, Occupation- Canara Bank Housing (Ltd.) Finance, Agra, Income 35,000/- Per Month, Gotra : Self- Chaurbambar, Mama- Sengarwasia, Contact : 9258065928, 9045216301 *(Feb.)*

★ **Shashank Jain** S/o Sh. Anil Kumar Jain Bajaj, DoB 21.02.1992 (at 6:30 am, Agra), Height 5'-7", Education- MCA, Job- Working in Coforge (NIIT) at Greater Noida as a Senior Software Tester, Gotra : Self- Ladodiya, Mama- Rajeshwari, Contact : C-153, Subhash Nagar, Kamla Nagar, Agra- 282005, Mob.: 9634074088, 9927463181, Email : aniljainbajaj@gmail.com *(Feb.)*

★ **Divesh Jain** (Manglik) S/o Sh. Gian Chand Jain, DoB 29.06.1994 (at 6:15 PM), Height- 5'-3", Education- Post Graduate (MCA) IGNOU, Occupation- Senior IT Engineer at Taj Hotels Delhi, Gotra : Self- Mimunda, Mama- Vijeshwari, Contact : RZ E-58, Raj Nagar Part-2, Dada Dev Road, Palam, New Delhi-110077, Mob.: 9891394006, 9718869534 *(Feb.)*

★ **Drashya Jain** S/o Sh. Dharmendra Kumar Jain, DoB 17.04.1995 (at 09:43 am, Agra), Height- 5'-8", Fair Colour, Education- B.Com., Profession- Supervisor in Glassware Factory, Gotra : Tijariya, Contact : 72A, Chhoti Chhapeti, Loha Mandi Chauraha, Payal Medical Store, Firozabad-283203, Mob.: 9870802127, 7055933746 *(Feb.)*

★ **Arpit Jain** S/o Sh. Narendra Kumar Jain, DoB 12.09.1992 (at 8:31 am, Jaipur), Height 5'-7", Education- M.Tech. (NIT, Bhopal) & Pursuing P.H.D. IIT Hyderabad, Occuption- IC Layout Designer in Synopsys Hyderabad, Package- 32 LPA, Gotra : Self- Ladoriya, Mama- Bayaniya, Contact : Ward No. 11, Jain Colony, Kajodi Ka Mohalla, Kherli (Alwar), Mob.: 9413907815, Email : arpitkherli@gmail.com *(Feb.)*

★ **Anshul Jain** S/o Sh. Pushpendra Jain, DoB 14.03.1994 (at 9:12 am, Agra), Height 5'-11", Fair Color, Education- B.Com., Occupation- Own

Business, Gotra : Self- Salawadia, Mama- Maimuda, Contact : Jain Readymade and Book Store, Midhakur (Agra), Mob.: 9410006648, 8445463430 *(Feb.)*

★ **Akash Palliwal (Sunny)** S/o Sh. Anil Kumar Palliwal, DoB 10.07.1992, Height 5'-8", Fair Color, Education- B.Tech. (Electrical Engg.), Occupation- Custom Inspector / G.S.T. (Ahmedabad), Gotra : Self- Kotia, Mama- Nangesuria, Contact : Rewa Mill, Nahar Road, Gangapur City-322201 (Raj.), Mob.: 9983629729 *(Feb.)*

★ **Vijay Kumar Jain** (Divorced) S/o Sh. Mahesh Chand Jain, DoB 11.11.1986 (at 11:30 am, Hindaun City), Height 5'-8", Education- MCA (IGNOU) From (IIIM College), Job- Triazine Software Pvt. Ltd. Working in Udyog Bhawan, Govt. of Rajsthan, Package- 8.50 LPA, Gotra : Self- Nangesuriya, Mama- Rajoriya, Contact : 202, Amrit Nagar, Iskcon Road, Jaipur, Mob.: 9460441986, 9588269389, Email : jain.vijay605@gmail.com *(Feb.)*

★ **Rishi Jain** S/o Sh. P. K. Jain, DoB 22.01.1991 (at 1:03 pm), Height- 5'-7", Fair Complexion, Education- B.Com., Occupation- Xerox, Computer and All Type of Printing, Gotra : Budelwal, Contact : 60, Saraogyan, Bhimsen Mandir Road, Mainpuri -205001 (UP), Mob.: 9411062043, 7417183783, 9634425990 *(Feb.)*

★ **Rajat Jain** S/o Dr. Navneet Jain, DoB 23.01.1994 (at 06:45 pm), Height- 5'-9", Education : B.Tech. (Mechanical) from IIIT DM, Jabalpur in 2016, Job- Currently Working in Bank of Braoda as a Business Associate, Since May 2019, Mandrayal, Dist. Karauli-322251, Gotra : Self- Kotia, Mama- Chodhary, Chorrbambar, Contact : Vill. Post Harsana,Tehsil- Laxmangarh, Dist. Alwar-321607, Mob.: 6376474151, 9887627515, 8920847221, Email : jainrajat2811994@gmail.com *(Feb.)*

★ **Kapil Kumar Jain** S/o Sh. Davendra Kumar Jain, DoB 15.06.1988 (at 7:09 am, Alwar), Fair Colour, Height- 5'-7", Education- Diploma (Mech. Engg.), Service- Engineer in a Company, Alwar, Package- 3 LPA, Gotra : Self- Balanvasia, Mama- Ladodia, Contact : Harsana, Alwar, Mob.: 8802118298, Email : rohit_jain1012@rediffmail.com *(Feb.)*

★ **Jayant Jain** S/o Sh. Bibudhesh Kumar Jain, DoB 07.12.1994 (at 8:03 am, Alwar), Height- 5'-10", Education- B.Des. (IIT Guwahati), MBA (IIM Ahmedabad), Occupation- Product Manager Flipkart Banglore, Package 51 Lakh (CTC), Gotra : Self- Nangeshwaria, Mama- Kashmiria, Contact : 4/202, SFS, Agarwal Farm, Mansarovar, Jaipur, Mob.: 9314502046, 9829015648 *(Feb.)*

★ **Shubham Jain** S/o Sh. Subhash Jain, DoB 25.06.1995 (at 4:20 am, Jaipur), Height- 5'-5", Education- B.Com., PGDM from RIIMS Pune, Occupation- Working in FMCG Company at Jaipur, Gotra : Self- Salawadiya, Mama- Badwasiya, Contact : Vaishali Nagar, Jaipur, Mob.: 9414073201 *(Feb.)*

★ **Himanshu Jain** S/o Sh. Manoj Mohan Jain, DoB 08.06.1994 (at 11:55 am, Agra), Height- 5'-7", Education- Chartered Accountant, Anuj Plaza, Belanganj, Agra, Contact : Sector 6 C/612, Avas Vikas Colony, Agra, Mob.: 7060978292 *(Feb.)*

★ **Kushal Jain** S/o Sh. Vinod Kumar Jain, DoB 23.12.1991 (at 07:50 am), Height- 5'-8", Education- B.Tech in Information Technology (Hindustan Institute of Technology & Management), Agra, Job- Application Module Lead at Telus International Pvt. Ltd., Oxygen Park, Sector 144, Noida, Gotra : Self- Kotia, Mama- Garg, Contact : 29, Prem Anand Kunj, Brij Bihar Colony, Kamla Nagar, Agra, Mob.: 9897717596, 6395524546, Email : vinodkumarjainagra@gmail.com *(Feb.)*

★ **Jitendra Jain** S/o Late Sh. Dinesh Chand Jain, DoB 08.07.1992, Height- 5'-8", Education- ITI, Polytechnic and B.Tech, Job- Teaching in College, Gotra : Self- Salavadiya, Mama- Bhorindia, Contact : A-147, Vaishali Nagar, Alwar, Mob.: 6376042300, 9887116757 *(Feb.)*

★ **Sourabh Jain** S/o Sh. Prem Jain, DoB 11.07.1995 (at 1:55 pm, Kota), Height- 6 Feet, Education- MCA, Occupation- IOS Software Developer at IIT Powai, Mumbai, Gotra : Self- Athwarsiya, Mama- Maimuda, Contact : Shreenath Oysis, Flat No. 1202, Kerli Phatak, Kota-324002, Mob.: 7877022362, 8209333801, Email : jyoti.jain970@gmail.com *(Feb.)*

★ **Prateek Jain** S/o Sh. Anil Jain, DoB 16.04.1995 (at 9:00 pm, Sawai Madhopur), Height- 5'-6", Education- BE (Computer Science) NIT, Jalandhar, Occupation- Engineer, Gurgaon, Gotra : Self- Amiya, Mama- Rajoria, Contact : 9414287580 *(Feb.)*

TRAFO
Power & Electricals Pvt. Ltd.

TRAFO POWER & ELECTRICALS PVT. LTD.

AN ISO 9001:2008 COMPANY

PRODUCTS

-POWER & DISTRIBUTION TRANSFORMERS

-PRESSED STEEL RADIATORS

-SPECIAL PURPOSE TRANSFORMERS

-PACKAGE SUBSTATION

CONTACT

Trafo Power & Electricals Pvt. Ltd.
C-20 Site-C U.P.S.I.D.C., Industrial Area, Sikandra,
Agra, Uttar Pradesh - 282007, India

Phone No : +91-562-3290391
Fax : +91-562-2640388
E-mail : info@trafo.co.in

पूज्य पिताजी स्व. श्री कपूरचन्दजी जैन व माताजी स्व. श्रीमती अंगूरी देवी जैन की
पुण्य स्मृति में

विमल चन्द जैन (रेता वाले)

ग्रुप ऑफ कम्पनीज

DEALERS & SUPPLIERS OF SILICA SAND & OTHER GLASS RAW MATERIAL

AKHIL JAIN (M) 9690441107 • ANKIT JAIN (M) 9837478564

★ The Rajasthan Silica Sand Suppliers
★ Shree Vimal Silica Traders
★ S.B. Jain Mineral Enterprises

BIMAL CHAND JAIN
(Reta Wala)

ANKIT JAIN

AKHIL JAIN

128-129, गणेश नगर,
सेक्टर प्रथम,
पानी की टंकी के सामने,
फिरोजाबाद (उ.प्र.)
सम्पर्क :
Bimal Jain - 09837253305
Ankit Jain - 09837478564
Akhil Jain - 09690441107

RNI NO. RAJHIN/2012/47438 Postal Registration No. JAIPUR CITY/410/2022-24

RERA Registration No.
RAJ/P/2019/1054
www.rera.rajasthan.gov.in

Pearl®
Build Trust & Loyalty

Your perfect home is now
at a landmark address.

Pearl
FORTUNE
3 BHK Boutique Apartments

Disclaimer:- The image shown in indicative only and the actual view may differ from the one shown here.

16 Smart Home 3 BHK Vastu Friendly | Site : B-138, Mangal Marg, Bapu Nagar, Jaipur

Pearl®
Build Trust & Loyalty

Pearl India Buildhome (P) Ltd.
"Pearl Suryavanshi", 401, A-5, Sardar Patel Marg,
C-Scheme, jaipur - 302001. INDIA, Ph.: +91 141 4014044

Dr. Raj Kumar Jain +91 9414054745
Ar. Vijay Kumar Jain +91 9829010092

2 Decades of Excellence | 3600 Villas + Plots | More than 500 Apartments | 22 'Pearl' Tower | 6 Townships

If Undelievered, please return to :
श्री चन्द्रशेखर जैन *(संयोजक)*
86, श्री विहार कॉलोनी, होटल क्लार्क आमेर के पीछे,
जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-302018 (राज.)

पत्रिका स्वामी- अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा (रजि.) के लिए मुद्रक/प्रकाशक श्री चन्द्रशेखर जैन, 86, मगन विला, श्री विहार कॉलोनी, होटल क्लार्क आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-302018 ने गणेश आर्ट प्रिंटर्स, जे-51, कृष्णा मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर से मुद्रित, सम्पादक : श्री प्रकाश चन्द जैन।